साांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" जिन्दगी में अगर बुरा वक्त नहीं आता है..
अपनों में छुप गैर, और गैरों में छुपे हुए अपने कभी नजर नहीं आते!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–223 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरूवार 10 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

यूपी कांग्रेस में बड़े बदलाव के संकेत, अजय राय की कुर्सी पर संकट! मुस्लिम चेहरे पर दांव की तैयारी

पार्टी भले ही इसे भाजपा की अफवाह बताए, लेकिन अंदरखाने समन्वय की कमी की चर्चा तेज है

आलोक तिवारी / लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस संगठन में बड़ी सर्जरी की सुगबुगाहट तेज हो गई है। रायबरेली से दिल्ली तक चली बैठकों के बाद चर्चा है कि यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को हटाया जा सकता है। पार्टी के नए प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम की सक्रियता ने इन अटकलों को और हवा दे दी है।

मौजूदा अध्यक्ष अजय राय भूमिहार समुदाय से आते हैं और वाराणसी में पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ तीन बार चुनाव लड़ चुके हैं। उनकी शैली में मंदिर दर्शन, त्रिपुंड-चंदन और सॉफ्ट हिंदुत्व की झलक रही है।

रेस में तीन नाम सबसे आगे हैं
1. सहारनपुर सांसद इमरान मसूद
2. राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी
3. पूर्व विधायक नदीम जावेद अखिलेश का 'नीला' कार्ड

वहीं प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम कट्टर अंबेडकरवादी और राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं। दोनों की कार्यशैली में जमीन-आसमान का अंतर है। पार्टी भले ही इसे भाजपा की अफवाह बताए, लेकिन अंदरखाने समन्वय की कमी की चर्चा तेज है।

क्यों मुस्लिम अध्यक्ष का दांव?

सूत्रों के मुताबिक गौतम खेमे की रणनीति है कि विधानसभा से पहले किसी मुस्लिम चेहरे को कमान देकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर सीट बंटवारे में दबाव बनाया जाए। कांग्रेस जानती है कि मुस्लिम वोट के बिना क्ठउक्रअ गठबंधन में उसकी बार्गेनिंग कमजोर रहेगी। उधर सपा ने भी दलित वोट साधने के लिए नया दांव चला है। लाल टोपी के साथ अब नीले रंग को भी मंचों पर जगह दी जा रही है। इसे बसपा के कोर वोट में सेंध और कांग्रेस की दलित रणनीति को काटने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

कुल मिलाकर यूपी में सियासी बिसात बिछ चुकी है। अब देखना होगा कि राहुल-प्रियंका की जोड़ी अजय राय पर भरोसा बरकरार रखती है या मुस्लिम चेहरे के जरिए नया सामाजिक समीकरण साधती है।

वार्ड आरक्षण ने बिगाड़ा सियासी समीकरण

सभापति समेत 9 MIC सदस्य अपने वार्ड से नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

स्कूली बच्चों के हाथों से पर्ची निकालकर लॉटरी की गई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर निगम रिसाली चुनाव से पहले बुधवार को कला मंदिर में वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हुई। लॉटरी से हुए आरक्षण ने कई दिग्गजों का सियासी खेल बिगाड़ दिया है। सभापति केशव बंछोर सहित 9 टक्ळ सदस्यों को अब अपना वार्ड बदलना पड़ेगा। 40 वार्ड वाले रिसाली निगम में 18 मौजूदा पाषर्दों का वार्ड आरक्षित वर्ग में चला गया है। आरक्षण प्रक्रिया के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह, एडीएम वीरेंद्र सिंह और निगम आयुक्त मोनिका वर्मा मौजूद रहीं। स्कूली बच्चों के हाथों से पर्ची निकालकर लॉटरी की गई। इस दौरान कांग्रेस-भाजपा के नेता मौजूद रहे। नियम के तहत 40 में से 13 वार्ड (33%) महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं।

आरक्षण की स्थिति
OBC - 10 वार्ड (3 महिला, 7 मुक्त)
महिला - वार्ड 11, 23, 30
मुक्त - वार्ड 1, 9, 13, 24, 26, 28, 31
ST - 3 वार्ड (1 महिला, 2 मुक्त)
महिला - वार्ड 8
मुक्त - वार्ड 15, 18
SC - 7 वार्ड (2 महिला, 5 मुक्त)
महिला - वार्ड 34, 35
मुक्त - वार्ड 19, 21, 37, 38, 40
सामान्य - 20 वार्ड (7 महिला, 13 मुक्त)
महिला - वार्ड 7, 12, 22, 25, 29, 32, 33
मुक्त - वार्ड 2, 3, 4, 5, 6, 10, 14, 16, 17, 20, 27, 36, 39

दिग्गजों की बढ़ी परेशानी

वार्ड 11 से जीतकर रिसाली के पहले सभापति बने केशव बंछोर का वार्ड अब डइउ महिला हो गया है। ढहऊप्रभारी और पूर्व गृहमंत्री के करीबी जहीर अब्बास का वार्ड 24 आजाद मार्केट अब डइउ हो गया है। टक्ळ सदस्य संजू नेताम, सनिर साहू, चंद्रभान ठाकुर भी अपने वार्ड से चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। वहीं कांग्रेस से भाजपा में गए कुछ पाषर्दों की सीट सुरक्षित मानी जा रही है, जिसमें वार्ड 28 की डॉ. सीमा साहू और वार्ड 3 की सारिका साहू शामिल हैं। भाजपा पार्षद धर्मेंद्र भगत, विक्की चंद्राकर और मनीष यादव को भी नया वार्ड तलाशना होगा।

भिलाई निगम के 70 वार्डों का आरक्षण, सामान्य के 35, ओबीसी के 23 वार्ड आरक्षित

कलेक्टर अभिजीत सिंह की उपस्थिति में लॉटरी पर्ची निकालकर आरक्षण तय किया गया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

नगर पालिक निगम भिलाई के 70 वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया बुधवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर सेक्टर-6 में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की उपस्थिति में लॉटरी पर्ची निकालकर आरक्षण तय किया गया। इस दौरान निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, अपर आयुक्त राजेन्द्र दोहरे, उपायुक्त डीके कोसरिया सहित जनप्रतिनिधि, मीडिया और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। राज्य शासन के नियमानुसार आरक्षण में *35 सामान्य, 23 डइउ, 09 रउ और 03 रळ* वर्ग के लिए वार्ड आरक्षित किए गए हैं, जिसमें महिला आरक्षण भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से सम्पन्न होने से नागरिकों को प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिला। आरक्षण के बाद अब नगरीय निकाय चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। कई दिग्गज पाषर्दों के वार्ड प्रभावित होने से नए समीकरण बन रहे हैं।

वाडर्वार आरक्षण सूची

01 जुनवानी - SC
02 स्मृति नगर - OBC
03 मॉडल टाउन - OBC
04 नेहरू नगर - OBC
05 कोसानगर - SC
06 प्रियदर्शिनी परिसर - OBC महिला
07 राधिका नगर - OBC महिला
08 कुशवाहा नगर - SC महिला
09 राजीव नगर सुपेला - SC
10 लक्ष्मी नगर - OBC

तक वाडर्वार आरक्षण सूची

11 फरीद नगर कोहका - सामान्य महिला
12 रानी अवंती बाई कोहका सामान्य महिला
13 पुरानी बस्ती कोहका - सामान्य
14 शांति नगर - सामान्य
15 अंबेडकर नगर कोहका - सामान्य महिला
16 सुपेला - सामान्य
17 नेहरू भवन वार्ड - सामान्य
18 कॉन्ट्रेक्टर कॉलोनी - सामान्य
19 राजीव नगर कोहका OBC
20 वैशाली नगर - सामान्य
21 कैलाश नगर कुरुद - OBC
22 कुरुद बस्ती - सामान्य
23 घासीदास नगर - सामान्य महिला
24 हाउसिंग बोर्ड - सामान्य महिला
25 जवाहर नगर हाउसिंग बोर्ड सामान्य
26 रामनगर मुक्तिधाम - OBC महिला
27 शास्त्री नगर - OBC
28 प्रेम नगर - सामान्य
29 वृंदावन नगर - सामान्य महिला
30 प्रगति नगर - सामान्य
31 मदर टेरेसा नगर - सामान्य
32 वैकुंठ धाम सुंदर नगर SC
33 संतोषी पारा कैंप-2 - सामान्य
34 वीर शिवाजी वार्ड - सामान्य
35 शारदा पारा - सामान्य महिला
36 श्याम नगर - SC
37 संत रविदास नगर - OBC महिला
38 सोनिया गांधी नगर - OBC महिला
39 चंद्रशेखर आजाद नगर OBC
40 शहीद दुर्गमन यादव नगर OBC
41 औद्योगिक क्षेत्र छावनी - सामान्य
42 गौतम नगर खुर्सीपार - OBC
43 बापूनगर खुर्सीपार - SC महिला
44 लक्ष्मीनारायण वार्ड - OBC
45 बालाजी नगर खुर्सीपार - OBC महिला
46 दुर्गा मंदिर खुर्सीपार - OBC
47 राधाकृष्ण मंदिर न्यू खुर्सीपार - सामान्य महिला
48 जोन-03 खुर्सीपार - सामान्य महिला
49 सुभाष मार्केट - OBC
50 शास्त्री नगर खुर्सीपार - सामान्य
51 शहीद वीर नारायण सिंह नगर - SC
52 सेक्टर-03 - ST
53 सेक्टर-01 उत्तर - सामान्य
54 सेक्टर-01 दक्षिण - OBC महिला
55 सेक्टर-02 पूर्व - सामान्य
56 सेक्टर-02 पश्चिम - OBC
57 सेक्टर-04 पूर्व - सामान्य
58 सेक्टर-04 पश्चिम - सामान्य
59 सेक्टर-05 पूर्व - सामान्य
60 सेक्टर-05 पश्चिम - सामान्य
61 सेक्टर-06 पूर्व - ST महिला
62 सेक्टर-06 मध्य - ST
63 सेक्टर-06 पश्चिम - सामान्य महिला
64 सिविक सेंटर सेक्टर-10 - सामान्य
65 सेक्टर-10 - सामान्य
66 सेक्टर-07 पूर्व - OBC महिला
67 सेक्टर-07 पश्चिम - सामान्य
68 सेक्टर-08 - OBC
69 सेक्टर-09 हॉस्पिटल सेक्टर - SC महिला
70 शहीद कौशल यादव वार्ड - सामान्य महिला

विष्णु साय कैबिनेट के 5 बड़े फैसले : स्टार्टअप के लिए 500 करोड़ निर्यात नीति को मंजूरी, सरकारी कर्मचारियों को आयु में छूट

ग्राम तितुरडीह में BIT कॉलेज के पास 4 हेक्टेयर जमीन न्यायालय के लिए मंजूर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में महानदी भवन में हुई कैबिनेट बैठक में युवाओं, उद्योग और कमर्चारियों से जुड़े 5 महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। युवाओं को जॉब-सीकर से जॉब-क्रिएटर बनाने के लिए 5 साल में 500 करोड़ का प्रावधान। 33 जिलों में उद्यमिता केंद्र, 100 इमर्जिंग टेक लैब और 5 इंडस्ट्री एक्सीलेंस सेंटर बनेंगे। NIPUN JOB Engine से उद्योगों की जरूरत के मुताबिक कौशल और रोजगार मिलेगा। प्रदेश को देश का बड़ा निर्यात हब बनाने के लिए नई नीति मंजूर। ई-कॉमर्स, व्यापार मेलों और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा, कृषि और उद्योग के मूल्य संवर्धित उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा। ग्राम तेंदुवा में भारत सरकार को 10 एकड़ जमीन निःशुल्क। 200 करोड़ की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बनेगा, जहां हर साल 1000 दीघर्कालिक और 3000 अल्पकालिक प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग मिलेगी। शासकीय सेवकों, निगम-मंडल, स्वशासी संस्थाओं के कमर्चारियों, संविदा और नगर सैनिकों के लिए अन्य सेवाओं में आवेदन की अधिकतम आयु 38 से बढ़ाकर 45 वर्ष की गई। ग्राम तितुरडीह में BIT कॉलेज के पास 4 हेक्टेयर जमीन न्यायालय के लिए मंजूर। इसके बदले भिलाई इस्पात संयंत्र को पाटन के पाहंदा में 5.024 हेक्टेयर जमीन दी जाएगी।

जमीन सौदे में 1.61 करोड़ की धोखाधड़ी, लालबाग पुलिस ने दर्ज किया केस

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भूमि विक्रय में धोखाधड़ी के मामले में लालबाग पुलिस ने त्वरित कारर्वाई करते हुए 3 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। SP अंकिता शर्मा और अरढ कीर्तन राठौर के निर्देश पर CSP वैशाली जैन की जांच के बाद थाना लालबाग में अपराध क्र. 391/2026 धारा 318(4), 3(5) इटर के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। प्रार्थी चंदाबाई खरे निवासी पेण्ड्री ने शिकायत की थी कि ग्राम पेण्ड्री स्थित खसरा क्र. 548/6, रकबा 0.48 एकड़ भूमि का सौदा 2.05 करोड़ में तय हुआ था। आरोपियों ने 23 लाख देकर शेष 1.61 करोड़ नहीं दिया और मांगने पर विवाद किया। आरोपी प्रवीण झलके, प्रभात जैन और लाला यादव के खिलाफ थाना प्रभारी रमेश पटेल विवेचना कर रहे हैं।

आरोपियों ने 23 लाख देकर शेष 1.61 करोड़ नहीं दिया

राज्यपाल रमेन डेका ने पद्म विभूषण स्व. डॉ. तीजन बाई के गृह ग्राम गनियारी पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

राज्यपाल रमेन डेका ने आज दुर्ग जिले के प्रवास के दौरान स्वर्गीय गनियारी पहुंचकर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्म विभूषण स्व. डॉ. तीजन बाई को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. डॉ. तीजन बाई के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर लोक कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उनके अप्रतिम योगदान का स्मरण किया।

राज्यपाल श्री डेका ने स्व. डॉ. तीजन बाई के परिजनों से आत्मीय भेंट की और उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने परिजनों से चर्चा करते हुए उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया।

राज्यपाल ने कहा कि स्व. डॉ. तीजन बाई ने अपनी विशिष्ट कापालिक शैली और असाधारण प्रतिभा के माध्यम से पंडवानी को देश-विदेश में नई पहचान दिलाई। उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला और सांस्कृतिक परंपरा को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनकी कला-साधना और लोक संस्कृति के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। स्व. डॉ. तीजन बाई छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत की ऐसी गौरवशाली पहचान हैं, जिनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन, पद्मश्री पंडवानी गायिका श्रीमती उषा बारले, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जर्जर एवं अनफिट बीएसपी आवासों को खाली करने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

बारिश में बढ़ जाता है हादसे का खतरा, सुरक्षा को लेकर प्रबंधन ने जारी की अपील

भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) प्रबंधन ने टाउनशिप स्थित जर्जर एवं अनफिट घोषित आवासों में रह रहे रहवासियों और अवैध कब्जाधारियों से आवास शीघ्र खाली करने की अपील की है। प्रबंधन के अनुसार संरचनात्मक रूप से कमजोर हो चुके इन भवनों में बारिश के दौरान दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। बीएसपी ने ऐसे आवासों को निवास की दृष्टि से अयोग्य एवं जोखिमपूर्ण घोषित किया है। प्रबंधन ने कहा है कि इन भवनों में रहना रहवासियों और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवासों को खाली करना आवश्यक है। इधर, टाउनशिप में अवैध कब्जे की समस्या को देखते हुए नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा अवैध कब्जाधारियों और भू-माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। टाउनशिप को अवैध कब्जों एवं अनधिकृत अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। प्रबंधन ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी और परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अनफिट एवं जर्जर आवासों को खाली कर दें। इससे संभावित हादसों को रोकने के साथ ही संबंधित आवासों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुचारु रूप से की जा सकेगी। बीएसपी ने कहा कि सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवासीय वातावरण बनाए रखना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

खास खबर

ह्लाइन ऑफ फायरह्न पर रील मेकिंग प्रतियोगिता ने दिया रचनात्मक तरीके से सुरक्षा संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं राड मिल में सुरक्षा जागरूकता को रचनात्मक माध्यम से प्रभावी बनाने के उद्देश्य से ह्लाइन ऑफ फायरह्न विषय पर आयोजित रील मेकिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 8 सितंबर को सिक्योर भवन सभागार में हुआ। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार मुख्य अतिथि तथा मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं एमडब्ल्यूआरएम) श्री योगेश शास्त्री अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे।

योगेश शास्त्री ने कहा कि रचनात्मक माध्यमों के जरिए सुरक्षा संदेश कमर्चारियों तक सरल एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाए जा सकते हैं। उन्होंने लाइन ऑफ फायर से जुड़े संभावित खतरों के प्रति सतर्क रहने और सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि श्री राकेश कुमार ने सुरक्षा को कायर्संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कमर्चारी की सुरक्षा सवोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा नियमों का पालन और सुरक्षित कार्य व्यवहार ही दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम का आधार है। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित कमिर्यो को सुरक्षा शपथ भी दिलाई। विभागीय सुरक्षा अधिकारी शशांक शर्मा ने प्रतियोगिता की रूपरेखा और उद्देश्य की जानकारी दी। प्रतिभागियों द्वारा तैयार रील्स का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें लाइन ऑफ फायर से जुड़े कार्यस्थलीय खतरों और उनसे बचाव के उपायों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

प्रतियोगिता में अप्पू बेहरा (बीआरएम) ने प्रथम, दीपेश चुघ (डब्ल्यूआरएम) ने द्वितीय तथा प्रखर मिश्रा (बीआरएम) ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न दिए गए।

200 से अधिक नागरिकों को साइबर ठगी से बचाव के उपायों की दी गई जानकारी

छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागरूकता अभियान के तहत कला भवन में कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / 00000

2 अक्टूबर तक छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत कला भवन, भिलाई नगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चैंबर ऑफ कॉमर्स के 50 से अधिक सदस्य तथा 10 से अधिक सामाजिक फाउंडेशनों से जुड़े लगभग 200 नागरिक एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर ठगी के सामान्य तरीकों को प्रस्तुत कर नागरिकों को सतर्क रहने तथा डिजिटल लेन-देन में सावधानी बरतने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, थाना प्रभारी भिलाई नगर सहित पुलिस एवं विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।.

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा दिनांक 15 अगस्त से 02 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत दुर्ग पुलिस द्वारा विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में 8 सितम्बर को कला भवन, भिलाई नगर में चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं मुद्रा फाउंडेशन के सहयोग से साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दुर्ग पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आम नागरिकों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 8 सितम्बर को कला भवन, भिलाई नगर में चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं मुद्रा फाउंडेशन के सहयोग से साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 02 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान का हिस्सा था। अभियान

का उद्देश्य नागरिकों को ऑनलाइन ठगी के बदलते तरीकों की जानकारी देना, डिजिटल लेन-देन के दौरान आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करना तथा साइबर अपराध घटित होने की स्थिति में तत्काल शिकायत करने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में चैंबर ऑफ कॉमर्स के 50 से अधिक सदस्य तथा 10 से अधिक विभिन्न सामाजिक फाउंडेशनों से जुड़े लगभग 200 नागरिक एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की सहभागिता के माध्यम से साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी को व्यापक स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों को आम बोलचाल की भाषा में प्रस्तुत किया गया। इसके माध्यम से अनजान व्यक्तियों के फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी ङउ अपडेट, OTP एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करने, ऑनलाइन भुगतान तथा अन्य डिजिटल माध्यमों से होने वाली ठगी से बचने के संबंध में नागरिकों को जागरूक किया गया। साथ ही नागरिकों को समझाया गया कि साइबर अपराधी लगातार ठगी के नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंकिंग या व्यक्तिगत जानकारी साझा करने अथवा जल्दबाजी में ऑनलाइन भुगतान करने से बचना आवश्यक है। साइबर ठगी होने की स्थिति में बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(शहर) शोभराज अग्रवाल, उप निरीक्षक डॉ संकल्प राय, थाना प्रभारी भिलाई नगर सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र से मुद्रा फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती टीना सातपुते, अजय भसीन, महामंत्री चैंबर ऑफ कॉमर्स; ए.के. बंचोर, ऑफिसर एसोसिएशन; परमिंदर सिंह, पूर्व महासचिव ऑफिसर एसोसिएशन, गार्गी शंकर मिश्रा, अध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स, भिलाई कन्हैया सोनी, विशेष सलाहकार, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स; अनिल कुमार जायसवाल, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, रीजनल ऑफिस रायपुर सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साइबर क्राइम दुर्ग से उप निरीक्षक संकल्प राय द्वारा साइबर अपराधों से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं बचाव के उपायों के संबंध में उपस्थित नागरिकों को जागरूक किया गया।

अमलेश्वर समूह जल योजना को गति, कापसी के जलागार में पहुंचा पानी, टेस्टिंग शुरू

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

जल जीवन मिशन के तहत निरस्त हो चुकी अमलेश्वर समूह जल प्रदाय योजना के शेष गांवों में पेयजल व्यवस्था को गति मिली है। ऊ्टत्रमद से स्वीकृत राशि के बाद कापसी गांव के उच्च स्तरीय जलागार में पानी पहुंच गया है और टेस्टिंग शुरू कर दी गई है। बता दें कि दुर्ग जिले में 9 समूह जल योजनाएं स्वीकृत थीं, जिसमें से अमलेश्वर सहित 2 शासन स्तर पर निरस्त हो चुकी हैं। पाटन के 17 ग्राम इस योजना में थे, जिसमें से 4 ग्राम नगर पालिका में शामिल हो गए। 8 ग्रामों में भू-जल स्रोत से काम पूरा कर लिया गया था, लेकिन 5 ग्रामों - सांकरा, कापसी, कोपेडीह, रूही और अमलीडीह में राशि के अभाव में काम अटका था। मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक के सुझाव

हर घर जल
जल जीवन मिशन

पर कलेक्टर दुर्ग ने ऊ्टत्र से राशि स्वीकृत की। अब रूही और कापसी में कार्यादेश जारी हुआ है। कापसी में आज जलागार में पानी पहुंचा। शेष 3 गांवों सांकरा, कोपेडीह, अमलीडीह के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। इससे घर-घर नल से स्वच्छ पेयजल का लक्ष्य पूरा होगा।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की तिथि बदली, अब 3 से 7 दिसंबर को होगी प्रयाग-काशी यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत दुर्ग जिले के 445 वरिष्ठ नागरिकों की प्रयाग, काशी विश्वनाथ, हनुमान मंदिर यात्रा की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह यात्रा 29 सितंबर की जगह 03 से 07 दिसंबर 2026 तक होगी। उप संचालक समाज कल्याण के अनुसार 445 में से 333 ग्रामीण और 112 शहरी यात्री शामिल होंगे। इसमें 80% BPL, अंत्योदय और खाद्यान्न योजना के कार्डधारी और 20% APL (गैर आयकर दाता) होंगे। आवेदक संबंधित जनपद पंचायत और नगरीय निकाय में स्वास्थ्य परीक्षण के बाद निर्धारित प्रपत्र में 05 नवंबर 2026 तक आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं होंगे।

धारदार हथियार लेकर राहगीरों को आतंकित कर रहा युवक गिरफ्तार, गया जेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

चौकी जेवरा-सिरसा पुलिस ने अलग-अलग घटनाओं में त्वरित कार्रवाई करते हुए धारदार हथियार लेकर राहगीरों को आतंकित करने वाले आरोपी समेत मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से धारदार हथियार और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार 9 सितंबर को पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि

आईआईटी रोड स्थित सारवे होटल के पास एक व्यक्ति धारदार हथियार लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर मुकेश कुमार वर्मा, निवासी अटल आवास उरला, को पकड़ लिया। तलाशी में उसके कब्जे से धारदार लोहे का हथियार बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। वहीं, 8 सितंबर की शाम ट्रांसपोर्ट नगर शराब भट्टी जाने वाली सड़क पर नाम गलत पुकारने की बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के मुताबिक आशीष कुमार वर्मा अपने साथी प्रहलाद उर्फ पाव और एक नाबालिग के साथ वहां पहुंचा था। विवाद के दौरान आरोपियों ने कमलकांत धनकर से मारपीट की और आशीष ने धारदार हथियार से उसकी जांघ पर वार कर घायल कर दिया।

सिविक सेंटर मार्केट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु पार्किंग व्यवस्था निर्धारित

नई दृष्टिबिंदु / 00000

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा सिविक सेंटर मार्केट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित किया जा रहा है।

सिविक सेंटर मार्केट क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग के लिए सड़क किनारे सफेद लाइन के भीतर निर्धारित स्थान/लेन बनाया गया है। इसके बावजूद कई वाहन चालक अपने दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों को निर्धारित पार्किंग क्षेत्र से बाहर अथवा सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़ा कर देते हैं। इससे सड़क पर वाहनों के आवागमन के लिए उपलब्ध स्थान कम हो जाता है और यातायात बाधित होने के साथ-साथ जाम की स्थिति निर्मित होती है।

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहन केवल सफेद लाइन के अंदर निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में ही पार्क करें। किसी भी स्थिति में वाहन को पार्किंग लेन से बाहर, मुख्य मार्ग पर अथवा इस प्रकार न खड़ा करें जिससे अन्य वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो। साथ ही सिविक सेंटर क्षेत्र के दुकानदारों से भी अपील की गई है कि वे अपने ग्राहकों एवं आम नागरिकों को निर्धारित पार्किंग क्षेत्र में ही वाहन खड़ा करने के लिए प्रेरित करें। यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाले वाहनों के विरुद्ध यातायात पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जाएगी तथा निर्धारित पार्किंग क्षेत्र/सफेद लाइन के बाहर वाहन खड़ा पाए जाने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

फौती नामांतरण कराने कृषक ने जनदर्शन में लगाई गुहार

जनदर्शन में 109 आवेदन प्राप्त हुए, उपस्वास्थ्य केन्द्र की मरम्मत कराने दिया आवेदन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्रीमती सिल्ली थॉमस ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 109 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में पाटन तहसील के ग्राम औंधी निवासी कृषक ने अपने मृतक बहन के नाम दर्ज

भूमि का फौती नामांतरण वैध वारिसों के नाम दर्ज कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि फौती नामांतरण के लिए नायब तहसीलदार पाटन के समक्ष आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। ग्राम औंधी की भूमि ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के कारण इस क्षेत्र में प्रतिबंध लगा हुआ है। नामांतरण प्रक्रिया पूरी नहीं होने से वारिसों का एग्रीस्टैक पंजीयन एवं सेवा सहकारी समिति में धान विक्रय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अनुमति प्रदान कर फौती नामांतरण आदेश पारित कराने की मांग की है। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम पंचायत चंगोरी के सरपंच ने उपस्वास्थ्य केन्द्र की मरम्मत कराने आवेदन दिया। ग्राम चंगोरी में संचालित उपस्वास्थ्य केंद्र भवन के जर्जर होने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार भवन की छत का प्लास्टर लगातार गिर रहा है, जिससे कभी भी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। सुरक्षा को देखते हुए उपस्वास्थ्य केंद्र का संचालन फिलहाल अन्य स्थान पर किया जा रहा है। जर्जर भवन की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। इस पर अपर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

मानव संसाधन के लंबित मुद्दे जल्द सुलझाए प्रबंधन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

भिलाई अनाधिशासी कमर्चारी संघ (BAKS) ने CGM HR प्रशांत ओझा के साथ बैठक कर ल्फ से जुड़े लंबित स्थानीय मुद्दों पर मांग पत्र सौंपा। संघ ने कहा कि कई मुद्दे वर्षों से लंबित हैं, जिससे कमर्चारियों पर आर्थिक-मानसिक असर पड़ रहा है। **प्रमुख मांगें** - नई श्रम संहिता 2026 के तहत वार्ताकारी संघ/परिषद का गठन, ACR ग्रेडिंग को मोबाइल ऐप/इंट्रानेट पर दिखाना, हाफ उ्छ सुविधा लागू करना, 2007 के इंसेंटिव फॉर्मूले में संशोधन, नॉन-एग्जीक्यूटिव प्रमोशन नीति की विसंगतियां दूर करना, उच्च शिक्षा पर

प्रोत्साहन 10 हजार से बढ़ाकर 75% फीस करना, फेस्टिवल एडवांस 5 हजार से बढ़ाकर एक माह का बेसिक+ऊ्अ करना, मोबाइल, सिम, इंटरनेट सुविधा, NMDC की तर्ज पर लॉन्ग सर्विस में सोने के सिक्के, रिटायरमेंट गिफ्ट में हॉलिडे पैकेज/सोने का सिक्का, बंद क्लबों को फिर से शुरू करना और ऑनलाइन बुकिंग, लोधी रोड कॉर्पोरेट की तर्ज पर कैंटीन संचालन शामिल है। बैठक में अध्यक्ष अमर सिंह, महासचिव किशोर साव, नवीन मिश्रा सहित पदाधिकारी मौजूद रहे। महासचिव किशोर साव ने कहा कि CGM ने कई मुद्दों पर सकारात्मक रुख दिखाया है।

खास खबर

साय सरकार ने बदली बस्तर की तस्वीर

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा,

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार के सुशासन और संवेदनशील नेतृत्व में बस्तर संभाग के अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का संकल्प अब तेजी से धरातल पर उतर रहा है। सुकमा जिले के धुर नक्सल प्रभावित एवं दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में दशकों से व्याप्त अंधेरे को दूर करने के लिए जिला प्रशासन ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। कलेक्टर अमित कुमार के कुशल मार्गदर्शन में कोंटा विकासखंड के 58 अविद्युतीकृत गांवों में बिजली पहुंचाने के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 31.62 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। यह कदम राज्य सरकार की वनांचल के सर्वांगीण विकास और अंतिम व्यक्ति तक रोशनी पहुंचाने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार योजना(आपका अच्छा गांव) के प्रभावी क्रियान्वयन से इस महत्वपूर्ण विद्युतीकरण परियोजना का मार्ग प्रशस्त हुआ है। कार्यपालन अभियंता एचके ध्रुव ने बताया कि कोंटा विकासखंड के अत्यंत सुदूरवर्ती और वर्षों से पहुंचविहीन माने जाने वाले गांव जैसे जिन्नेलंका, बंजेवाही, रेडलापल्ली, पेंटापाड, एण्टापाड, जग्गावरम, गोमपाड़, दन्तेशपुरम, नीलावाया और सिंगाराम सहित दर्जनों बस्तियां अब मुख्यधारा से जुड़ने जा रही हैं। दशकों से लाल आतंक और भौगोलिक विषमताओं के साये में जी रहे इन क्षेत्रों में प्रशासन की यह पहल न केवल विश्वास का नया सेतु तैयार कर रही है, बल्कि विकास की नई गाथा भी लिख रही है।

सुकमा के 58 वनांचल गांवों में आजादी के बाद पहली बार पहुंचेगी बिजली

इस परियोजना के मूर्त रूप लेने से क्षेत्र के 3,929 ग्रामीण परिवारों के घरों में आजादी के बाद पहली बार बिजली का उजाला पहुंचेगा। घरों के रोशन होने से ग्रामीणों को दैनिक जीवन में अंधेरे और असुरक्षा से स्थायी निजात मिलेगी। महिलाओं को घरेलू कामकाज में सुविधा होगी और रात के समय आवागमन व सामान्य जनजीवन सुगम बनेगा। अंधेरे में सिमटे रहने वाले इन गांवों में विद्युत अधोसंरचना के विस्तार से ग्रामीण जीवन स्तर में अभूतपूर्व गुणात्मक सुधार देखने को मिलेगा। बिजली के आगमन से स्थानीय स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और सूचना तंत्र में एक युगांतकारी बदलाव आएगा। स्कूलों और आश्रम-छात्रावासों में अध्ययनरत बच्चों को रात में पढ़ाई के बेहतर अवसर मिलेंगे तथा डिजिटल शिक्षा की राह आसान होगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व उपकेंद्रों में दवाओं के सुरक्षित भंडारण (कोल्ड चेन) और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों के संचालन से स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही, मोबाइल कनेक्टिविटी और संचार व्यवस्था बेहतर होने से ग्रामीण सीधे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगे, जिससे क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और खुशहाली के नए द्वार खुलेंगे। कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार के मंशानुरूप सुकमा के अंतिम छोर तक बसे हर ग्रामीण तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियद नेल्लानार योजना के तहत कोंटा विकासखंड के 58 गांवों में बिजली पहुंचना सिर्फ एक परियोजना नहीं, बल्कि दशकों से अंधेरे में रहे 3,929 परिवारों के जीवन में नई उम्मीद की शुरुआत है। बिजली आने से इन क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और संचार तंत्र मजबूत होंगे।

डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में 34 प्रकरणों पर सुनवाई, 08 प्रकरण नस्तीबद्ध

शारीरिक शोषण एवं जान से मारने की धमकी से संबंधित प्रकरण में संबंधित थाना को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में आज आयोग कार्यालय रायपुर में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई आयोजित की गई। प्रदेश स्तर पर यह आयोग की पांचवीं तथा रायपुर जिले में चौथी जनसुनवाई थी। सुनवाई हेतु कुल 34 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें 23 प्रकरणों की सुनवाई की गई तथा 08 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए।

जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकरणों में आवेदिकाओं की शिकायतों एवं संबंधित पक्षों के कथनों को विस्तारपूर्वक सुना गया। शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण एवं जान से मारने की धमकी से संबंधित प्रकरण में आयोग द्वारा संबंधित थाना को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

पति द्वारा मानसिक प्रताड़ना, दूसरी महिला के साथ रहने तथा पत्नी एवं पुत्री को भरण-पोषण नहीं दिए जाने के प्रकरण में आवेदिका को न्यायालय के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी गई। प्रकरण के समुचित निराकरण तक इसकी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार एक अन्य प्रकरण में अनावेदक की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उसकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक रायगढ़ को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। भरण-पोषण से संबंधित प्रकरण में पुलिस अधीक्षक रायपुर को प्रकरण की जांच कर प्रतिवेदन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

पारिवारिक विवाद से संबंधित प्रकरण में दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत विवाद की स्थिति को देखते हुए पृथक-पृथक किराये के आवास में रहने के निर्देश दिए गए। वहीं सामाजिक बहिष्कार से संबंधित प्रकरण में अनावेदकगणों को आवेदिकागणों को पुनः समाज में शामिल करने तथा अनुचित रूप से लगाए गए दंड को हटाने के निर्देश दिए गए।

दुनिया की निगाहें आज भारत पर टिकी हुई-वी.डी. शमा

पीएम मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के सेवा भाव को जन-जन तक पहुँचाने का अभियान सेवा संकल्प अभियान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम आहूत किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा सांसद एवं भाजपा प्रकोष्ठ संकुल के राष्ट्रीय संयोजक वी.डी. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन जन सेवा को समर्पित रहा है। मोदी ने राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य किया है।.मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की ओर अग्रसर हो चुका है। .शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री .मोदी ने देश की वैश्विक छवि को एक मानबिन्दु के रूप में स्थापित किया है। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रही है। दुनिया की निगाहें आज भारत पर टिकी हुई हैं।

भाजपा सांसद .शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्रीमोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के सेवा भाव को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न सेवा गतिविधियों, लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोडने तथा युवाओं को सेवा और नवाचार से जोडने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेवा संकल्प अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के सेवा भाव को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनके अंतर्गत, आशीर्वाद का दीया, सेवा चित्र, नमो सेवा गाथा, सेवा स्मरण, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी जल जन और सेवा संकल्प यात्रा आद कार्यक्रम होंगे। इसी तरह सेवा मेरा योगदान के तहत 25 सेवा गतिविधियाँ, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज, जनसेवक महाकुंभ (पंचायत से पालिर्यामेंट) कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक वर्ष 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में सेवा पखवाड़ा आयोजित करती है।.मोदी का व्यक्तित्व निरंतर सेवा भाव से जुड़ा हुआ है, इसलिए पार्टी पिछले कई वर्षों से उनके जन्मदिवस के अवसर पर सेवा गतिविधियाँ आयोजित करती आ रही है। इस वर्ष एक विशेष संयोग है कि 7 अक्टूबर 2001 को .मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और आगामी 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक जीवन के इस महत्वपूर्ण पड़ाव को 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी के मद्देनजर भाजपा ने पूरे देश में एक महीने का सेवा संकल्प अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि सेवा में मेरा योगदान नाम से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से विशेषकर युवाओं और आम नागरिकों से अपील की जाएगी कि वे अभियान के दौरान किए गए सेवा कार्यों की रील्स बनाएँ और उन्हें दूसरों के लिए प्रेरणा का माध्यम बनाएँ। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले। इस प्रकार सेवा सेतु अभियान सरकार की योजनाओं और उनके वास्तविक लाभार्थियों के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य करेगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सेवा संकल्प अभियान के प्रदेश संयोजक यशवंत जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की 25 वर्षों की गौरवशाली राजनीतिक यात्रा को लेकर हम सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनता तक पहुँच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का संपूर्ण जीवन सेवा और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है।

शहर के 7 थानेदारों का बदले प्रभार के साथ तबादला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर- पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने 7 निरीक्षकों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। तबादले के बाद आजाद चौक, टिकरापारा और गोलबाजार थाने समेत महिला थाना, यातायात और जिविशा में भी जिम्मेदारियां बदल गई हैं। प्रशासनिक दृष्टिकोण से किए गए इस बदलाव के तहत सात निरीक्षकों की नई पदस्थापना की गई है, जिन्हें तत्काल प्रभाव से अपना नया कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख थानों के बदले गए प्रभारी जारी की गई नई सूची के अनुसार, आजाद चौक थाना प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे निरीक्षक राजेश कुमार सिंह का तबादला कर उन्हें अब टिकरापारा थाने की कमान सौंपी गई है। वहीं, टिकरापारा थाने की जिम्मेदारी संभाल रहे निरीक्षक राजेश कुमार मरई को लाइन अटैच करते हुए रक्षित आरक्षी केंद्र भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि टिकरापारा क्षेत्र में लगातार अपराध बढ़ रहा है। कई मामलों की जांच भी धीमी है।

इसके अलावा, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अर्चना धुरंधर को अब आजाद चौक थाने का नया प्रभारी बनाया गया है। पुलिस लाइन में सेवाएं दे रही निरीक्षक राजश्री मौर्य को महिला थाने की नई जिम्मेदारी दी गई है।

जिविशा और यातायात विभाग में बदलाव फेरबदल के इस क्रम में जिविशा प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू को शहर के व्यस्तम क्षेत्र गोलबाजार थाने का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही, पुलिस लाइन में पदस्थ निरीक्षक आनंद सोनी को यातायात विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है वहीं, रक्षित आरक्षी केंद्र में पदस्थ रहे एक अन्य निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार तिवारी को नया जिविशा प्रभारी बनाया गया है। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए कार्यक्षेत्र में पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने को कहा गया है ताकि कानून व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

दुर्ग में 11 सितंबर को रोजगार मेला, 382 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र और शासकीय महिला कळकदुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 11 सितंबर को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन शासकीय महिला ITI, पुलगांव चौक परिसर में होगा। उपसंचालक विष्णु कुमार केड़िया ने बताया कि 5 निजी नियोजकों द्वारा तकनीकी और गैर-तकनीकी संवर्ग के कुल 382 पदों पर भर्ती की जाएगी। योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, कळक डिप्लोमा, इंजीनियरिंग। आवेदक का रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 सितंबर को मूल दस्तावेजों के साथ कळकदुर्ग में उपस्थित हों।

बालोद में 5 करोड़ के विज्ञान केंद्र का विरोध, भाजयुमो ने DMF राशि भवनविहीन स्कूलों पर खर्च करने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

खम्हारटोला प्राथमिक शाला में उच्च से प्रस्तावित 5 करोड़ के विज्ञान केंद्र को निरस्त करने की मांग को लेकर भाजयुमो ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष गुलशन साहू के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि जिले में शिक्षा की बुनियादी समस्याएं ज्यादा बड़ी हैं।

भाजयुमो ने दावा किया कि जिले में 64 प्राथमिक-मिडिल स्कूल भवनविहीन हैं और करीब 100 भवन जर्जर हैं। कई स्कूलों में शौचालय, अतिरिक्त कक्ष, पेयजल तक नहीं है। ऐसे में एक ही जगह 5 करोड़ खर्च करना छात्रहित में नहीं है।

संगठन ने कहा कि इस राशि से सैकड़ों स्कूलों में भवन, गर्ल्स-बॉयज टॉयलेट और मरम्मत हो सकती है। साथ ही शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने और 250 से अधिक संगवारी शिक्षकों की नियुक्ति की मांग भी उठाई, ताकि वनांचल के बच्चों को लाभ मिल सके। भाजयुमो ने कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं, लेकिन प्राथमिकता छात्रहित होनी चाहिए। ज्ञापन के दौरान जिला मीडिया प्रभारी अभिन्न यादव, तेषांत देशमुख, कमल बजाज, समकित सांखला मौजूद रहे।

विजय शर्मा की संवेदनशील पहल से आगजनी पीड़ित होटल संचालक को मिली आर्थिक सहायता

संचालक रबी नारायण पात्रों ने जताया उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा का जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विगत माह कवर्धा शहर स्थित न्यू कल्पना होटल में हुई आगजनी की घटना में होटल पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गया था। आगजनी की इस घटना से होटल संचालक रबी नारायण पात्रों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ था। आर्थिक संकट की इस घड़ी में होटल संचालक रबी नारायण पात्रों ने उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा से मुलाकात कर मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान कोष से आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने का आग्रह किया था। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मामले को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्परता से अनुशंसा की, जिसके परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान कोष से 3 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। इसी क्रम में आज उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की ओर से प्रतिनिधिमंडल द्वारा न्यू कल्पना होटल संचालक श्री रबी नारायण पात्रों को 3 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सतविंदर पाहुजा, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अनिल साहू, एल्डरमेन संतोष भारती, लक्ष्मण यादव, शानू साहू, कमलेश द्विवेदी एवं भूपेंद्र सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। होटल संचालक रबी नारायण पात्रों ने इस सहयोग के लिए उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आगजनी की घटना से हुए नुकसान के बाद आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें काफी संबल मिला है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा द्वारा तत्परता से पहल कर सहायता उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों से मिली यह सहायता उन्हें अपने व्यवसाय को पुनः खड़ा करने में मददगार साबित होगी।

आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही बंदियों की गणेश प्रतिमाएं

केंद्रीय जेल रायपुर में बंदियों ने मिट्टी से तैयार की 500 पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गणेशोत्सव के पावन अवसर पर केंद्रीय जेल रायपुर के बंदियों ने आस्था, रचनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम प्रस्तुत किया है। आगामी गणेशोत्सव के लिए केंद्रीय जेल रायपुर में बंदियों द्वारा प्राकृतिक मिट्टी से लगभग 1 से 2 फीट आकार की 500 पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। इन प्रतिमाओं की खासियत यह है कि इनके निर्माण में प्राकृतिक मिट्टी एवं रंगों का उपयोग किया गया है तथा प्रतिमाओं में तुलसी सहित विभिन्न पौधों के बीज भी डाले गए हैं।

गणेशोत्सव के पश्चात इन प्रतिमाओं का विसर्जन किए जाने पर इनमें मौजूद बीज अंकुरित होकर पौधों का रूप लेंगे। इस प्रकार ये प्रतिमाएं धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और हरित संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी। केंद्रीय जेल रायपुर में बंदियों द्वारा विभिन्न कौशल विकास एवं उत्पादन गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में लगभग 10 बंदियों ने अत्यंत लगन, मेहनत और रचनात्मकता के साथ भगवान श्री गणेश की इन आकर्षक प्रतिमाओं का निर्माण किया है। यह पहल बंदियों के कौशल विकास, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के साथ उन्हें समाजोपयोगी एवं पर्यावरण हितैषी गतिविधियों से जोड़ने का सार्थक प्रयास है। मिट्टी की प्रतिमाओं में बीजों का समावेश इस कार्य को और विशेष बनाता है। जेल अधीक्षक रायपुर श्री योगेश सिंह क्षत्री ने कहा कि केंद्रीय जेल रायपुर द्वारा बंदियों के पुनर्वास एवं आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर विभिन्न कौशल विकास एवं उत्पादन गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बंदियों द्वारा तैयार की गई ये बीजयुक्त पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाएं इस संदेश को साकार करती हैं कि आस्था और प्रकृति संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों से बंदियों को अपनी प्रतिभा और कौशल को सकारात्मक दिशा में उपयोग करने का अवसर मिलता है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हॉर्न बजाने पर विवाद, युवक पर चाकू-रॉड से हमला, 3 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में हॉर्न बजाने की बात पर हुए विवाद में युवक पर चाकू और लोहे की रॉड से हमला करने वाले 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 08 सितंबर की रात करीब 10 बजे प्रार्थी रिषभ शर्मा से कुमार उर्फ राजू बंछोर और उसके साथियों ने गाली-गलौज और मारपीट की। आरोपियों ने चाकू से वार और सिर पर रॉड से हमला किया। घायल का इलाज जारी है, हालत स्थिर है। थाना पुरानी बस्ती पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुमार बंछोर उर्फ राजू (30) निवासी इरवद कॉलोनी भाटागांव, केवल बघेल (20) बैरन बाजार और अमन नायक (21) इरवद कॉलोनी को गिरफ्तार किया। चाकू जब्त किया गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

संपादकीय

विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा

देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों, आइआइटी और आइआइएम में भी सैकड़ों स्वीकृत शिक्षकीय पद खाली हों और कई केंद्रीय विश्वविद्यालय नियमित कुलपति की प्रतीक्षा कर रहे हों, तब क्या हम वास्तव में उच्च शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की प्राथमिकता मान रहे हैं? भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलाजी, स्टार्टअप, पेटेंट, नवाचार और विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की बात कर रहे हैं, लेकिन इन सभी आकांक्षाओं की वास्तविक बुनियाद विश्वविद्यालय की कक्षा, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और शोध केंद्र हैं। यदि इन्हीं संस्थानों में शिक्षक और स्थायी नेतृत्व की कमी बनी रहे, तो विकसित भारत की यात्रा में यह गंभीर संस्थागत बाधा बन सकती है।

कुलपति केवल विश्वविद्यालय का प्रशासनिक प्रमुख नहीं होता। शिक्षक नियुक्ति, नए विभाग, अकादमिक प्राथमिकताएं, शोध केंद्र, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वित्तीय निर्णय और संस्थान की दीर्घकालीन दिशा काफी हद तक कुलपति रूपी स्थायी नेतृत्व पर निर्भर करती है। 57 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 18 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे हैं, जहां नए नियमित कुलपति की नियुक्ति की प्रतीक्षा है। इनमें लगभग 11 संस्थान कार्यवाहक अथवा प्रभारी कुलपति के नेतृत्व में चल रहे हैं, जबकि कम से कम सात जगह नियतमान कुलपति का सामान्य कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें निर्धारित अतिरिक्त अवधि अथवा नए कुलपति की नियुक्ति तक पद पर बनाए रखा गया है।

कार्यकाल विस्तार कई बार आवश्यक प्रशासनिक उपाय हो सकता है, लेकिन उसे नियमित नियुक्ति का विकल्प नहीं बनना चाहिए। विश्वविद्यालयों को केवल दैनिक फाइलें निपटाने वाला प्रशासक नहीं, बल्कि अगले पांच से दस वर्षों की अकादमिक दिशा तय करने वाला नेतृत्व चाहिए होता है। कुछ विश्वविद्यालयों में नियमित नेतृत्व की प्रतीक्षा अब महीनों नहीं, वर्षों में मापी जाने लगी है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में नए कुलपति की तलाश जून 2024 में शुरू हुई, जो अब तक जारी है। वहीं केंद्रीय विश्वविद्यालय ओडिशा मई 2025 से, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश अगस्त 2025 से और हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर सितंबर 2025 से कार्यवाहक नेतृत्व में चल रहे हैं। राज्य विश्वविद्यालयों में भी कुलपतियों के चयन और शिक्षकों की भर्ती में इसी तरह देरी हो रही है।

कुलपतियों की खाली कुर्सी के मुकाबले शिक्षकों की खाली कुर्सी का प्रभाव विद्यार्थी प्रतिदिन महसूस करता है। दिसंबर 2025 में राज्यसभा में शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक जुलाई, 2025 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 18,951 स्वीकृत शिक्षकीय पदों में 4,889 पद खाली थे। अर्थात लगभग 25 प्रतिशत पद रिक्त थे। यह सही है कि सुधार हुआ है। स्वीकृत शिक्षकीय पदों की संख्या 2014 के 16,324 से बढ़कर 2025 में 18,951 हुई। सितंबर 2022 से चलाए गए विशेष भर्ती अभियानों के माध्यम से 8,320 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हुई, फिर भी यदि एक चौथाई पद खाली हैं तो समस्या को समाप्त नहीं माना जा सकता।

आइआइटी में स्थिति और गंभीर है। 30 जनवरी 2026 तक देश के 23 आइआइटी में 12,498 स्वीकृत फैकल्टी पदों में 4,804 पद खाली थे यानी लगभग 38 प्रतिशत। आइआइटी पटना में रिक्ति लगभग 54.6 प्रतिशत और आइआइटी खड़गपुर में लगभग 51.3 प्रतिशत दर्ज की गई। यह तब और चिंताजनक है, जब सरकार आइआइटी में सीटें बढ़ाने जा रही हैं। सीटें बढ़ाना जरूरी है, लेकिन विद्यार्थी बढ़ें और शिक्षक उसी अनुपात में न बढ़ें तो विस्तार केवल संख्या में होगा, गुणवत्ता में नहीं। आइआइएम में भी स्थिति बहुत अलग नहीं है। जनवरी 2026 में आरटीआइ से प्राप्त आंकड़ों में 18 आइइएम में 1,741 स्वीकृत फैकल्टी पदों में लगभग 32 प्रतिशत पद रिक्त पाए गए।

शिक्षकों की कमी का पहला असर कक्षा पर पड़ता है। उपलब्ध शिक्षकों को अधिक कक्षाएं और अधिक प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालनी पड़ती हैं। इसका सीधा असर शोध के लिए उपलब्ध समय पर पड़ता है। दूसरा प्रभाव शोधार्थियों पर पड़ता है। पीएचडी निर्देशन, प्रयोगशाला अनुसंधान, प्रकाशन और नए शोध समूह विकसित करने की क्षमता सीमित होती है। वरिष्ठ शिक्षकों की कमी युवा फैकल्टी के मार्गदर्शन, नए विभागों के विकास और संस्थान की बौद्धिक संस्कृति को भी कमजोर करती है। प्रत्येक कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने से कम से कम छह महीने पहले चयन प्रक्रिया शुरू करना अनिवार्य हो। लक्ष्य यह होना चाहिए कि नियतमान कुलपति के जाने से पहले उत्तराधिकारी तय हो जाए। केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आइआइटी और आइआइएम के लिए राष्ट्रीय उच्च शिक्षा रिक्ति डैशबोर्ड बने। इसमें स्वीकृत पद, भरे पद, खाली पद, रिक्ति की अवधि, विज्ञापन तिथि और चयन प्रक्रिया की स्थिति हर तीन महीने में सार्वजनिक की जाए। फैकल्टी भर्ती के लिए पूरे वर्ष रोलिंग विज्ञापन और निश्चित वैमासिक चयन कैलेंडर लागू किया जा सकता है। गुणवत्ता के मानक कम नहीं होने चाहिए, पर गुणवत्ता के नाम पर वर्षों पद खाली रहना भी स्वीकार्य नहीं है।

युवा को संवाद का बराबर का साथी मानने का भाव

इस समय जेन-जी बहुत चर्चा में है। पिछले दिनों एक बैठक में इस नई पीढ़ी पर चर्चा चल निकली। किसी ने इनकी कार्यशैली के लिए मोबाइल को दोषी ठहराया तो किसी ने बदल रहे संस्कारों पर चिंता व्यक्त की। एक सज्जन ने बेहद सहजता से कहा, "अरे, ये जेन-जी लोग७ उनके ये शब्द मेरे मन में गहराई तक ठहर गए। "ये जेन-जी लोगङ्क्ष" का 'ये' शब्द मुझे बेचैन करता रहा। ऐसा क्यों हुआ कि हमारे और हमारे बच्चों के बीच दूरी दर्शाने वाला येङ्क्ष शब्द खड़ा हो गया? जब देश के प्रधानमंत्री युवाओं को मेरे युवा मित्र कहकर संबोधित करते हैं, तो उसके पीछे गहरी दृष्टि छिपी होती है। वह दृष्टि युवा को खुद से सामने कुर्सी पर बैठाने की नहीं, बल्कि अपने पास बैठाने की होती है। वह युवा को संवाद का बराबर का साथी मानने का भाव है। जेन-जी को लेकर हमारी सबसे बड़ी उलझन वह पुराना और संकुचित चश्मा है जिसके जरिये हम उन्हें देखने की कोशिश कर रहे हैं। हर नई पीढ़ी अपने समय से कड़े सवाल करती रही है। वह हर बात पर पूछती है कि ऐसा क्यों है?

जब महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता को सर्वोच्च और एकमात्र ध्येय मान लिया था, तब वे भी युवा ही थे, लेकिन उनके भीतर वही ज्वाला धधक रही थी, जो आज के युवाओं में है- व्यवस्थाओं को जस का तस स्वीकार न करने की जिद। युवा जानना चाहते हैं कि जो नियम तय किए गए हैं, वे वैसे ही क्यों हैं? यही प्रश्न पुरानी पीढ़ी को चुभने वाले लगते हैं। कल जब हम युवा थे, तब हमारे द्वारा पूछे गए प्रश्न हमारे बुजुर्गों को बेचैन कर देते थे। इस अंतर को हम साधारण शब्दों में जेनरेशन गैप यानी पीढ़ियों का अंतर कहते हैं।

नई पीढ़ी पर आरोप है कि यह मोबाइल स्क्रीन में डूबी रहती है, लेकिन आरोप का एक सिरा हमारी ओर मुड़ता नजर आता है। क्या हमारे बच्चे हमें हाथ में कोई पुस्तक लिए देखते हैं? क्या खाने की टेबल पर स्मार्टफोन हमसे दूर रहता है? क्या हमने कभी उन्हें गांव की कच्ची पगडंडियों पर घुमाया है? क्या उन्हें दादी-नानी की स्मृतियों में छिपी पारिवारिक कथाएं सुनाई हैं? हमें एक कड़ा प्रश्न स्वयं से भी पूछना होगा- हमने मोबाइल फोन के बाहर की दुनिया को उनके लिए कितना सुंदर और आकर्षक बनाकर दिखाया है? इसलिए बच्चों से केवल शिकायत करना बहुत सरल है, लेकिन उनके सामने एक सही और प्रेरणादायक उदाहरण बनकर खड़ा होना बेहद कठिन कार्य है।

बेशक उनका तरीका हमसे अलग है, उनकी बात कहने की भाषा अलग है और उनकी जिज्ञासा का दायरा भी भिन्न है। वे इसके पीछे का तर्क मांगेंगे और पूछेंगे कि ह्यक्योंङ्घ। और हमें उस ह्यक्योंङ्घ शब्द से डरना नहीं चाहिए। हमें उन्हें परंपराओं के पीछे छिपा हुआ गहरा दर्शन समझाना होगा, धर्म के मूल मर्म से परिचित कराना होगा, और अपनी संस्कृति को केवल किताबी न रखकर कर्म में उतारकर दिखाना होगा।

जेन-जी को केवल रील्स बनाने-देखने तक सीमित कर देना अन्याय होगा। यही युवा पीढ़ी आज सीमाओं पर मुस्तैदी से खड़ी है। यही युवा आज शतरंज की बिसात पर पूरी दुनिया को बौद्धिक क्षमता से चकित कर रहे हैं। डी. गुकेश जैसे कम उम्र के युवा भारत की नई प्रतिभा का एक ऐसा गौरवशाली परिचय पूरी दुनिया के सामने लिख रहे हैं, जिस पर पूरे देश को गर्व है। तकनीक, विज्ञान, और उद्यमिता के क्षेत्र में ये युवा लगातार नए रास्ते खोल रहे हैं। नई पीढ़ी केवल अपने बारे में नहीं सोचती, बल्कि अपने साथ-साथ दूसरे इंसानों के दर्द और तकलीफों को भी बखूबी पहचानना चाहती है। चाहे पर्यावरण संरक्षण की गंभीर चिंता हो, बेजुबान पशु-पक्षियों के अधिकारों की बात हो, युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे हों, समाज में समान अवसरों की मांग हो, या फिर किसी कमजोर और लाचार व्यक्ति के पक्ष में खड़े होने का सवाल हो- आज का युवा इन तमाम संवेदनशील विषयों पर बहुत अधिक सहजता और मुखरता के साथ अपनी बात रखता है।

हमें हर बार उन्हें यह पुरानी कहानी सुनाने की आवश्यकता नहीं है कि हमारे जमाने में तो हालात ऐसे हुआ करते थे। हमारा रिश्ता किसी उपदेश देने वाले और सुनने वाले का नहीं, बल्कि आपसी संवाद का होना चाहिए। इसलिए अगली बार जब किसी औपचारिक बैठक में कोई व्यक्ति मुस्कुराते हुए यह कहे कि ७अरे, ये जेन-जी लोगङ्क्ष, तो शायद हमें भी कहना चाहिए- हां, वे जेन-जी हैं, लेकिन वे ह्मये लोगङ्क्ष नहीं हैं। हमारे अपने ही जिगर के टुकड़े, हमारे बच्चे हैं। स्वाभाविक है कि उनकी हर बात हमेशा सही नहीं होगी, ठीक वैसे ही जैसे हमारी भी हर बात अपने समय में सही नहीं हुआ करती थी। वे अपने जीवन में तमाम गलतियां करेंगे, बिल्कुल वैसे जैसे गलतियां हमने भी की थीं।

होगा कि अब इस देश की अगली यात्रा इन्हीं मजबूत कंधों पर बढ़ेगी। उन्हें किसी कठघरे में खड़ा करने के बजाय उनके साथ पूरी ताकत से खड़े होइए। बच्चों से संवाद अधिक से अधिक बढ़ाइए। उन्हें ध्यान से सुनिए, उनकी भावनाओं को समझिए, और उन पर पूरा भरोसा रखिए। क्योंकि भविष्य को कभी भी अतीत के पुराने सांचे में ढाला नहीं जा सकता। हमेशा यह बात याद रखिए कि भारत की अगली कहानी किसी और को नहीं, बल्कि इन्हीं हाथों को मिलकर लिखनी है।

ह्यरंग परब नाट्य श्रृंखलाङ्घ का भव्य शुभारंभ – तीन दिनों तक रोजाना होंगी दो नाट्य प्रस्तुतियां, सामाजिक सरोकारों से लेकर पौराणिक कथाओं तक दिखेगा रंगमंच का विविध संसार

दहेज की कुरीति पर रंगमंच से प्रहार

संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ह्यरंग परब नाट्य श्रृंखलाङ्घ का शुभारंभ बुधवार को मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस, घड़ी चौक रायपुर में हुआ। 9 से 11 सितंबर तक आयोजित इस नाट्य श्रृंखला में प्रतिदिन दो नाटकों की रंगमंचीय प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। आयोजन में सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक चेतना, मानवीय संवेदनाओं और पौराणिक कथाओं को रंगमंच के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि नाटक केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का जीवंत दर्पण है। रंगमंच हमारी संवेदनाओं, संघर्षों और सामाजिक सरोकारों को प्रभावशाली ढंग से सामने लाता है। कलाकार अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से दर्शकों को सोचने, समझने और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि नाटक हमारी संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों को भी समृद्ध करने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के कवि मीर अली मीर, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार श्री दीपेंद्र दीवान, साहित्यकार श्री विजय मिश्रा, फिल्म बोर्ड की सदस्य श्रीमती प्रसन्ना अवस्थी तथा समाजसेवी श्री उदयभान चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ह्यमया के मुंदरी ने दहेज प्रथा के खिलाफ बुलंद की आवाजङ्घ

नाट्य श्रृंखला की पहली प्रस्तुति ह्यमया के मुंदरीङ्घ रही, जिसका मंचन रिखी क्षत्रिय एवं समूह द्वारा किया गया। नाटक ने शुरुआत से ही दर्शकों का ध्यान एक गंभीर सामाजिक समस्या की ओर आकर्षित किया। दहेज प्रथा पर केंद्रित इस प्रस्तुति में दिखाया गया कि किस तरह धन-संपत्ति का लालच विवाह जैसे पवित्र रिश्ते को रिश्ते से सौदेबाजी में बदल देता है।

नाटक में दहेज के लालची पिता के चरित्र के माध्यम से यह दिखाया गया कि बेटे का विवाह उसके लिए संस्कार, प्रेम और पारिवारिक संबंधों का अवसर न रहकर धन-संपत्ति और गाड़ी हासिल करने का माध्यम बन जाता है। दहेज के लालच की यह मानसिकता केवल सामाजिक और नैतिक मूल्यों को कमजोर नहीं करती, बल्कि परिवार और रिश्तों की बुनियाद को भी प्रभावित करती है।

कहानी का सबसे प्रभावशाली पक्ष यह रहा कि स्वाभिमानी बेटा और उसकी मां दहेज के खिलाफ मजबूती से खड़े होते हैं। वे गरीब लड़की और उसके पिता का समर्थन करते हैं तथा विवाह को आर्थिक लेन-देन से अलग मानवीय संबंध के रूप में स्थापित करने का प्रयास करते हैं। नाटक में अंततः युवक दहेज रूपी कुरीति का विरोध करते हुए, गरीब लड़की से विवाह स्वीकार करता है। ग्रामीण रीति-रिवाजों और परंपराओं के बीच विवाह संपन्न होता है। इस प्रस्तुति ने दर्शकों को यह संदेश दिया कि विवाह किसी सौदे का नाम नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और समानता पर आधारित जीवन-संबंध है।

हरित सागर ने पौराणिक कथा को दिया रंगमंचीय स्वरूप

नाट्य श्रृंखला की दूसरी प्रस्तुति 7वीं शताब्दी की संस्कृत उत्तरकथा ह्यहरित सागर पर आधारित रही। इस नाटक के लेखक एवं निर्देशक श्री किशोर वैभव हैं। पौराणिक कथा पर आधारित इस प्रस्तुति ने दर्शकों को एक अलग ही रंगमंचीय संसार से परिचित कराया।

नाटक की कथा भगवान शिव द्वारा माता पार्वती को एकांत में सुनाई गई कथा से जुड़ी है। कथा को जलंधर द्वारा सुन लिए जाने के बाद घटनाक्रम आगे बढ़ता है। इसके पश्चात माता पार्वती द्वारा दिए गए श्राप और उस श्राप से मुक्ति की कथा को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने संवाद, अभिनय और रंगमंचीय प्रस्तुति के माध्यम से पौराणिक प्रसंगों को जीवंत बनाने का प्रयास किया। कथा की प्रस्तुति ने दर्शकों को पौराणिक आख्यानों की रोचकता और रंगमंच की सृजनात्मक शक्ति से रूबरू कराया।

रंगमंच के जरिए सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक संवाद का प्रयास

ह्यरंग परब नाट्य श्रृंखलाङ्घ का विशेष आकर्षण यह है कि इसमें मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक चिंतन और सांस्कृतिक चेतना को भी केंद्र में रखा गया है। एक ओर ह्यमया के मुंदरीङ्घ जैसी प्रस्तुति दहेज जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध आवाज बुलंद करती है, वहीं ह्यहरित सागरङ्घ जैसी प्रस्तुति पौराणिक कथा और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को रंगमंच के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाती है।

तीन दिनों तक चलने वाली इस नाट्य श्रृंखला में विभिन्न विषयों और कथानकों पर आधारित नाटकों की प्रस्तुतियां होंगी। संस्कृति विभाग का यह आयोजन रंगमंच के कलाकारों को मंच प्रदान करने के साथ ही दर्शकों को चिंतन, संवेदना, संस्कृति और मनोरंजन का समन्वित अनुभव देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई गति देंगी मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 10 हजार 783 करोड़ रुपए की लागत वाली तीन महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इनमें बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन छत्तीसगढ़ के विकास की दृष्टि से विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश के रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी, यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा तथा उद्योग और व्यापार के लिए माल परिवहन अधिक सुगम एवं प्रभावी होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक और मजबूत रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में अभूतपूर्व गति से कार्य हो रहा है। छत्तीसगढ़ को भी इसका निरंतर लाभ मिल रहा है। नई मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को गति देने के साथ प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों, औद्योगिक विकास और रोजगार की नई संभावनाओं को विस्तार देंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

रेल नेटवर्क की क्षमता और कनेक्टिविटी में होगा विस्तार

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत तीन परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन तथा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इनकी कुल अनुमानित लागत 10 हजार 783 करोड़ रुपए है और इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूर्ण करने की योजना है।

इन तीनों परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इनसे लगभग 4 हजार 790 गांवों और करीब 56 लाख की आबादी को बेहतर रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

बिलासपुर-पेंड्रा रेल कॉरिडोर को मिलेगी मजबूती

बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन की स्वीकृति छत्तीसगढ़ के लिए विशेष महत्व रखती है। इन परियोजनाओं से इस महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर की क्षमता में वृद्धि होगी। अतिरिक्त लाइन क्षमता से ट्रेनों का परिचालन अधिक सुगम होगा, रेल यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी तथा यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक प्रभावी एवं विश्वसनीय हो सकेगी। इस रेल कॉरिडोर की क्षमता में वृद्धि से छत्तीसगढ़ की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी को भी मजबूती मिलेगी। इसका लाभ आम यात्रियों के साथ प्रदेश की औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी मिलेगा।

उद्योग और व्यापार को मिलेगी नई गति

स्वीकृत रेल परियोजनाएं कोयला, सीमेंट, लोहा और इस्पात सहित महत्वपूर्ण वस्तुओं के परिवहन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। मल्टीट्रैकिंग से रेल नेटवर्क की माल ढुलाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। तीनों परियोजनाओं से कुल मिलाकर प्रतिवर्ष लगभग 27 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता विकसित होने का अनुमान है।

छत्तीसगढ़ खनिज और औद्योगिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। ऐसे में बेहतर रेल और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार बनेगा। माल परिवहन अधिक सुगम होने से उद्योगों को बेहतर लॉजिस्टिक्स सुविधा मिलेगी और प्रदेश में निवेश, व्यापार तथा रोजगार के नए अवसरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

पर्यटन और आस्था के प्रमुख केंद्रों तक बेहतर होगी पहुंच

इन परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ सहित संबंधित क्षेत्रों के महत्वपूर्ण पर्यटन, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की रेल कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। इनमें अचानकमार टाइगर रिजर्व, मल्हार का पुरातात्विक स्थल, रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर और खुटाघाट बांध सहित अनेक प्रमुख स्थल शामिल हैं। बेहतर कनेक्टिविटी से इन क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को भी मजबूती मिलेगी।

पीएम गति शक्ति के विजन को मिलेगी मजबूती

ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना तथा लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाना है।

रेलवे पर्यावरण- अनुकूल और ऊर्जा-कुशल परिवहन का महत्वपूर्ण माध्यम है। इन तीनों परियोजनाओं से देश में लगभग 12 करोड़ लीटर तेल आयात की बचत तथा करीब 62 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है, जो लगभग 2.48 करोड़ वृक्ष लगाने के पर्यावरणीय प्रभाव के बराबर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मजबूत रेल नेटवर्क किसी भी राज्य के समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है। नई रेल परियोजनाएं प्रदेश में सुगम आवागमन, मजबूत कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति को गति देते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

जब शिक्षक ने ठाना बदलाव, तो सरकारी स्कूल बना बच्चों की पहली पसंद

नवाचार, जनभागीदारी और समर्पण की मिसाल बने धमतरी के दो शिक्षक — राज्यपाल ने किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदलने के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती, जरूरत होती है साफ नीयत, नई सोच और बच्चों के भविष्य के प्रति समर्पण की। धमतरी जिले के दो शिक्षकों ने इसी सोच को अपने कार्यों में उतारकर यह साबित किया है कि एक शिक्षक की पहल पूरे शिक्षा तंत्र में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत बन सकती है।

अपनी जेब से खर्च, अतिरिक्त समय, नवाचार और पालकों एवं शिक्षकों की सहभागिता को माध्यम बनाकर शासकीय प्राथमिक शाला धौराभाठा के शिक्षक लीलाराम साहू, शासकीय माध्यमिक शाला लुगे की शिक्षिका श्रीमती रंजीता साहू और शासकीय प्राथमिक शाला कोलियारी की शिक्षिका श्रीमती प्रीति शांडिल्य ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। इनके प्रयासों से न केवल सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ी, बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर अवसर और आधुनिक शैक्षणिक संसाधन भी मिले हैं।

शासकीय प्राथमिक शाला धौराभाठा के शिक्षक श्री लीलाराम साहू ने बच्चों के लिए पढ़ाई को रोचक और सहज बनाने पर जोर दिया। उनके नवाचारों का असर ऐसा रहा कि जिस स्कूल में कभी सीमित संख्या में विद्यार्थी थे, वहां छात्र संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। खेल-खेल में शिक्षा और टीएलएम आधारित शिक्षण पद्धति से बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ी। उनके मार्गदर्शन में पढ़ने वाले 23 विद्यार्थियों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय के लिए हो चुका है। पढ़ई तुहर दुआर और टीएलएम आधारित शिक्षण में उनके कार्य को राज्य स्तर पर भी पहचान मिली है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उनका चयन राज्यपाल पुरस्कार के लिए किया गया है।

शासकीय माध्यमिक शाला लुगे की शिक्षिका श्रीमती रंजीता साहू ने अपने विद्यालय को डिजिटल बनाने का संकल्प

लिया। संसाधनों की कमी को बाधा मानने के बजाय उन्होंने ह्यमैं हूं गुल्लकह्न अभियान शुरू किया और शिक्षकों एवं पालकों की सहभागिता से जिले के 150 विद्यालयों में स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराने की पहल की।

इसके अलावा उन्होंने लगभग 300 विद्यालयों में गणित वर्णमाला पहुंचाने तथा करीब 11 हजार बच्चों को पेन, कॉपी और किताबें उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से अनेक स्कूलों में बच्चों को डिजिटल माध्यम से सीखने का अवसर मिला। शिक्षा में तकनीक और जनभागीदारी के अभिनव समन्वय के लिए उनका चयन भी राज्यपाल पुरस्कार के लिए किया गया है। शासकीय प्राथमिक शाला कोलियारी की शिक्षिका श्रीमती प्रीति शांडिल्य ने समावेशी शिक्षा की दिशा में उल्लेखनीय पहल की। राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका श्रीमती के. शारदा के नेतृत्व में राज्य के 30 शिक्षकों की टीम के साथ मिलकर उन्होंने दृष्टिबाधित बच्चों के लिए ब्रेल एवं ऑडियो आधारित शैक्षणिक सामग्री तैयार करने में योगदान दिया।

इस प्रयास के तहत कक्षा 5वीं से 12वीं तक के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार की गईं। यह शैक्षणिक सामग्री 400 से अधिक स्कूलों और 20 दृष्टिबाधित विशेष विद्यालयों तक पहुंचाई गई है। सामग्री को लाखों बार देखा-सुना जा चुका है और इस उल्लेखनीय कार्य का नाम ह्यगोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डह्न में दर्ज हुआ है।

इन तीनों शिक्षकों की उपलब्धियों को जिले के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में श्री लीलाराम साहू और श्रीमती रंजीता साहू को शाल-श्रीफल भेंटऔर प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया। उन्होंने दोनों शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जयंत नाहटा सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी के इन शिक्षकों ने यह संदेश दिया है कि शिक्षा में बदलाव केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण, समर्पण और नवाचार से आता है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों को बच्चों और पालकों की पहली पसंद बनाने के लिए ऐसे सकारात्मक प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन शिक्षकों की उपलब्धियां जिले के लिए गर्व का विषय हैं और निश्चित रूप से अन्य शिक्षकों को भी नई पहल के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने तीनों शिक्षकों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

धमतरी के इन शिक्षकों की कहानी केवल पुरस्कार और सम्मान की कहानी नहीं है। यह इस बात की मिसाल है कि जब शिक्षक अपने दायित्व को नौकरी से आगे बढ़ाकर मिशन बना लेता है, तो स्कूल की चारदीवारी के भीतर से बदलाव की ऐसी रोशनी निकलती है, जो बच्चों के सपनों को नई दिशा देती है। नवोदय और एकलव्य में पहुंचते बच्चे हों, डिजिटल शिक्षा से जुड़ते विद्यार्थी हों या दृष्टिबाधित बच्चों तक पहुंचती ऑडियो पुस्तकें—इन प्रयासों ने सरकारी शिक्षा की संभावनाओं को नई पहचान दी है।

खास खबर

ग्रामीण रोजगार योजना से मनोहरपुर में बच्चों के सुरक्षित भविष्य की नींव मजबूत

ग्रामीण रोजगार योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऐसी सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण का माध्यम बन रही है, जो गांव के सामाजिक विकास को लंबे समय तक नई दिशा देती हैं। लोरमी विकासखंड के ग्राम पंचायत मनोहरपुर में ग्रामीण रोजगार योजना एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अभिसरण से निर्मित आंगनबाड़ी भवन इसका जीवंत उदाहरण है। कभी छोटे और असुरक्षित कच्चे मकान में संचालित होने वाला आंगनबाड़ी केंद्र अब पक्के, सुरक्षित और सुविधायुक्त भवन में संचालित हो रहा है।

मनोहरपुर में आंगनबाड़ी केंद्र के लिए उपयुक्त भवन नहीं होने से बच्चों और माताओं को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गर्मी और बारिश के मौसम में बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण था। वहीं पोषण सामग्री, दवाइयों, खिलौनों एवं शिक्षण सामग्री के सुरक्षित भंडारण के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। इन समस्याओं के समाधान के लिए ग्राम सभा में आंगनबाड़ी भवन निर्माण का प्रस्ताव रखा गया और इसे ग्राम पंचायत की वार्षिक कार्ययोजना में शामिल किया गया।

11.69 लाख की लागत से बना सुविधायुक्त भवन

ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद तकनीकी प्राक्कलन तैयार कर कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई। 13 नवंबर 2024 को 11.69 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी हुई, जिसमें ग्रामीण रोजगार योजना से 08 लाख रुपये तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से 3.69 लाख रुपये का अभिसरण शामिल था। कार्य की शुरुआत 05 अगस्त 2025 को हुई और 09 मार्च 2026 को आंगनबाड़ी भवन निर्माण पूर्ण हुआ। भवन में बच्चों के अनुकूल शौचालय, सुरक्षित पेयजल, रसोईघर, खेल के लिए स्थान तथा पोषाहार, दवाइयों, खिलौनों और पुस्तकों के सुरक्षित भंडारण के लिए स्टोर रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय ग्रामीणों को 453 मानव-दिवस का रोजगार भी प्राप्त हुआ। इस प्रकार यह परिसंपत्ति गांव के लिए रोजगार और विकास दोनों का माध्यम बनी।

बच्चों की उपस्थिति बढ़ी, माताओं को मिली राहत

नए भवन के निर्माण के बाद आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण उपलब्ध हुआ है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बच्चों की दैनिक औसत उपस्थिति 30-40 प्रतिशत से बढ़कर 85 प्रतिशत से अधिक हुई है। स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण गतिविधियों के लिए भी बेहतर वातावरण मिला है। नियमित टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच में भी सुधार दर्ज किया गया है। सुरक्षित आंगनबाड़ी केंद्र का सकारात्मक प्रभाव महिलाओं के जीवन पर भी पड़ा है। माताएं अपने बच्चों को सुरक्षित वातावरण में छोड़कर कृषि कार्य, मजदूरी और स्व-सहायता समूह की गतिविधियों में अधिक सहजता से भाग ले पा रही हैं। इससे परिवारों की आजीविका गतिविधियों को भी संबल मिला है।

आज यह भवन केवल बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि गांव में स्वास्थ्य जागरूकता बैठकों और सामाजिक गतिविधियों के आयोजन का महत्वपूर्ण स्थल भी बन गया है। 19 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं, जिनमें 03 अनुसूचित जनजाति परिवार शामिल हैं। सरपंच श्रीमती दुर्गा उत्तम साहू ने बताया कि ह्न ग्रामीण रोजगार योजना और महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रयास से हमारे गांव को स्थायी और सुंदर आंगनबाड़ी भवन की सौगात मिली है। अब बच्चों को सुरक्षित वातावरण में प्रारंभिक शिक्षा मिल रही है।

देवांगन लेडी एचिवर्स ग्रुप का 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम हर्षोल्लास से संपन्न

महिलाओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा, हुनर और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

शहर के प्रगति नगर स्थित परमेश्वरी भवन में देवांगन लेडी एचिवर्स ग्रुप के तत्वावधान में महिलाओं के लिए आयोजित 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की संयोजिका सुमन देवांगन के नेतृत्व में आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा, हुनर और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयोजिका सुमन देवांगन ने कहा कि 'सपनों की उड़ान' जैसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानने, हुनर को मंच देने और अपने अधूरे सपनों को साकार करने का सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से महिलाओं में न केवल आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ती है, बल्कि आपसी प्रेम और सौहार्द भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि आज की नारी केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, वह परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक और रचनात्मक हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है और अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रही है। बस जरूरत है उन्हें सही प्रोत्साहन और अवसर देने की।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के मनोरंजन और उत्साहवर्धन के लिए विभिन्न आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे उमंग के साथ हिस्सा लिया।

इस अवसर पर दामिनी देवांगन, हेमलता, मीनाक्षी हरिशंकर, मीनाक्षी अविनाश, प्रभा देवांगन, रूपाली देवांगन, उषा दिनेश, पूनम देवांगन, कविता देवांगन सहित ग्रुप की अनेक सदस्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे

चार धाम यात्रा स्पर्धा में

प्रथम -	तनु देवांगन
द्वितीय -	लक्ष्मी देवांगन
तृतीय -	उषा गंगाराम देवांगन

सुहागन चूड़ी श्रृंगार स्पर्धा में

प्रथम -	देवांगन
द्वितीय -	हेमलता देवांगन
तृतीय -	जयश्री देवांगन

सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और उनका उत्साहवर्धन किया गया।

प्रेम प्रसंग बना खूनी संघर्ष कोसा मर्डर केस का खुलासा महिला समेत 3 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा,

दो महीने से गुत्थी बने ग्राम कोसा के अमित भंडारी हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने हत्या में शामिल महिला समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुलमुला थाना क्षेत्र के कोसा गांव में अमित भंडारी 27 जून की रात घर से निकला था। 29 जून सुबह उसका शव गांव के अमहदा तालाब के पास बाड़ी में मिला था। जांच में खुलासा हुआ कि मृतक का गांव की ही संतोषी सिंह से शादी के पहले से प्रेम प्रसंग था। शादी के बाद भी दोनों की बातचीत जारी थी। घटना की रात 1:30 बजे तक फोन पर बात करने के बाद अमित रात 2:30 बजे संतोषी से मिलने उसके घर के पीछे पहुंचा।

इसी दौरान संतोषी का भाई बजरंग सिंह टेंट का काम खत्म कर लौटा और दोनों को साथ देखकर आपा खो बैठा। विवाद के दौरान अमित का सिर दीवार से टकराया। भागने की कोशिश में बजरंग ने पास पड़े फावड़े/रापा से सिर और छाती पर वार कर हत्या कर दी। संतोषी ने शव छुपाने में मदद की।

डर के कारण शव को 24 घंटे तक बाड़ी में छुपाए रखा, क्योंकि गांव में चोरी की सूचना पर डायल-112 आई थी। अगले दिन 28 जून को बड़ा भाई पप्पू सिंह लौटा तो दोनों ने मिलकर प्लान बनाया, परिजनों के साथ गुमशुदगी रिपोर्ट लिखाने थाना भी गए, और 28-29 की आधी रात शव को गांव के बीच में फेंक दिया ताकि शक न हो। लोकेशन के साथ रक्ळ ने जांच की। बिलासपुर की ट्रैकर डॉग विमला की लीड, कथनों में बदलाव और ब्रेन मैपिंग, पॉलीग्राफ, नार्को टेस्ट से शक पुख्ता हुआ। सख्त पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म कबूला। हत्या में प्रयुक्त फावड़ा और शव ले जाने वाली सीढ़ी जब्त की गई है।

पिता की चप्पल से पीट-पीटकर हत्या आरोपी बेटे को आजीवन कारावास

बालोद। थाना पुरुर क्षेत्र में पिता की हत्या के मामले में माननीय सत्र न्यायालय ने आरोपी बेटे यशपाल सोरी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। थाना पुरुर के अपराध क्रमांक 94/2025, धारा 294, 351(3), 117(2), 115(2), 103 के तहत मामला दर्ज था।

प्रकरण के अनुसार आरोपी यशपाल सोरी ने घरेलू विवाद को लेकर अपने पिता लचमु सोरी के साथ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी, फिर चप्पल से प्राणघातक मारपीट की। गंभीर चोटों के कारण लचमु सोरी की मौत हो गई थी। मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी उप निरीक्षक प्रदीप कंवर (वतर्मान में थाना राजहरा में पदस्थ) द्वारा की गई। घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर भौतिक और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और चालान न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण में शासकीय अधिवक्ता तोमन साहू की प्रभावी पैरवी के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध मानते हुए आजीवन कारावास से दंडित किया।

---

10 लाख के गांजे के साथ 2 अंतरराज्यीय तस्करों को दबोचा

गांजे के साथ बाइक, मोबाइल समेत कुल 11 .80 लाख का मशरूका जब्त किया गया

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

एसपी भावना पांडेय के निर्देशन में 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत थाना सिहावा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा से दिल्ली गांजा ले जा रहे दो अंतरराज्यीय

तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि स्लेटी रंग की रॉयल एनफील्ड ङL-3SFD 9699 में दो युवक गांजा लेकर जा रहे हैं। रतावा फॉरेस्ट नाका के पास घेराबंदी कर वाहन रोका गया। तलाशी में ट्रॉली और सफारी बैग में सेलोटेप से पैक 20.400 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 10.20 लाख रुपए आंकी गई है। गांजे के साथ बाइक (1.5 लाख) और मोबाइल (10 हजार) समेत कुल 11.80 लाख का मशरूका जब्त किया गया।

सफलता सेवा सेतु से आसान हुई आय प्रमाण पत्र की राह, बी .एड . प्रवेश का सपना हुआ साकार

समय पर मिली सरकारी सेवा, लक्ष्मी के सपनों को मिली नई उड़ान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल सेवा सेतु प्रदेश के नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस पहल की एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है ग्राम सोंढ़, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा की प्रतिभाशाली छात्रा कुमारी लक्ष्मी वर्मा की।

कुमारी लक्ष्मी वर्मा ने बी.एड. प्रवेश परीक्षा में प्रथम श्रेणी में सफलता अर्जित की है। प्रवेश के लिए आयोजित काउंसलिंग में आय प्रमाण पत्र अनिवार्य दस्तावेज था। निर्धारित समय में प्रमाण पत्र नहीं मिलने पर उनका पूरा साल खराब होने का अंदेशा था। ऐसे में उनके पिता धनसिंह वर्मा ने सेवा सेतु केंद्र, तहसील कार्यालय बेरला में पुत्री के आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया।

तहसील कार्यालय द्वारा आवेदन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए समय-सीमा के भीतर ही आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। प्रमाण पत्र मिलते ही लक्ष्मी की काउंसलिंग प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण हुई और बी.एड. में प्रवेश का उनका सपना साकार हो सका।

शासन के प्रति जताया आभार

समय पर सेवा मिलने से खुश लक्ष्मी और उनके परिवार ने माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजना सेवा सेत के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है। परिवार ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की सोच और सुशासन के कारण आज गांव की एक गरीब छात्रा को भी बिना भटके, पारदर्शी तरीके से समय पर सरकारी सेवा मिल पा रही है। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन बेमेतरा का भी धन्यवाद किया। लक्ष्मी की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि एक छोटी सी सरकारी सेवा भी अगर समय पर मिल जाए तो किसी विद्यार्थी के बड़े सपनों को नई दिशा दे सकती है।

सेवा सेतु से 3 दिन में मिला डिजिटल विवाह प्रमाण पत्र

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

शासकीय सेवाओं को समयबद्ध पहुंचाने में सेवा सेतु केंद्र की पहल कारगर साबित हुई। डोंगरगढ़ निवासी श्रीमती जागेश्वरी ने 27 अगस्त को तहसील कार्यालय में विवाह प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया था। सेवा सेतु केंद्र ने मात्र 3 दिन में निराकरण करते हुए 1 सितंबर को डिजिटल प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया। डिजिटल प्रमाण पत्र मिलने से उन्हें बार-बार कार्यालय जाने से राहत मिली और समय की बचत हुई। त्वरित सेवा पर उन्होंने प्रशासन का आभार जताया।

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

राप्रक ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार ठाकुर पिता स्व० गांधीराम ठाकुर निवासी सुपेला भिलाई द्वारा अपने पिता गांधीराम ठाकुर के मृत्यु दिनांक 23.08.2024 को होने कारण एवं भूलवश मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 16.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

सार-समाचार

पाकिस्तानी कप्तान पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को महिला एशिया कप के ग्रुप मैच के दौरान आउट करने के बाद 'अपमानजनक इशारा' करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह घटना शनिवार (5 सितंबर) को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद फातिमा ने पवेलियन की ओर इशारा किया। फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जुड़ा

यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकत या इशारे करने से संबंधित है जो बल्लेबाज का अपमान करते हों या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हों। इसके अलावा फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक और जोड़ा गया है क्योंकि 24 महीने की अवधि में यह उनकी दूसरी गलती है।

फातिमा के दो डिमेरिट अंक हुए- इसके साथ ही एक साल के भीतर उनके डिमेरिट अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। फातिमा को इससे पहले छह अगस्त 2025 को डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मैच के दौरान एक डिमेरिट अंक मिला था। फातिमा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली।

सतारा हाफ मैराथन में दर्दनाक हादसा

हाफ मैराथन के 4 घंटे बाद अटैक से 65 वर्षीय धावक की मौत

नई दिल्ली। सतारा हिल हाफ मैराथन के दौरान कार्डियक अरेस्ट से 65 वर्षीय रिटायर्ड वैज्ञानिक संजय कदम की मौत हो गई। संजय कदम पहली बार सतारा हिल हाफ मैराथन में हिस्सा ले रहे थे। (प्रतीकात्मक तस्वीर) महाराष्ट्र के सतारा में रविवार 6 सितंबर 2026 को आयोजित हाफ मैराथन के दौरान एक दर्दनाक घटना सामने आई। पुणे के 65 वर्षीय पूर्व वैज्ञानिक संजय कदम ने 21.1 किलोमीटर की दौड़ पूरी की, लेकिन इसके करीब चार घंटे बाद दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई।

'सतारा हिल हाफ मैराथन' को पश्चिमी घाट की खड़ी चढ़ाई और तेज ढलान के कारण देश की सबसे मुश्किल दौड़ों में से एक माना जाता है। पहली बार इस दौड़ में हिस्सा ले रहे संजय कदम को दौड़ के दौरान नीचे की ओर आते समय बेचैनी महसूस हुई थी। मौके पर मौजूद एक हृदय रोग विशेषज्ञ ने उन्हें तुरंत धक्का दिया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एंजियोप्लास्टी के बाद उनकी हालत स्थिर हो गई थी।

अभिषेक शर्मा अर्धशतक से चूके

गिल की टीम की उधेड़ दी बखिया, 326 के स्ट्राइक रेट से ठोके रन

नई दिल्ली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 17वें मैच में अमृतसर सूरमाज के कप्तान अभिषेक शर्मा ने शुभमन गिल की अगुआई वाली फजलिका फॉल्कंस के खिलाफ बेहतरीन पारी खेली। वह अर्धशतक से चूक गए, लेकिन जब तक क्रीज पर थे उन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। अभिषेक शर्मा ने

फजलिका के खिलाफ 15 गेंद पर 49 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 326.67 रहा। अभिषेक को गर्व कुमार ने शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। अभिषेक की पारी के दम पर अमृतसर ने पावरप्ले में ही 79 रन बना लिए। वह छठे ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए।

अभिषेक शर्मा ने जसन जिंदल को कूटा- अभिषेक शर्मा ने दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर पहली बाउंड्री लगाई। उन्होंने जसन जिंदल को स्वीपर कवर पर छक्का लगाया। जसन के अगले ओवर में उन्होंने 2 छक्के और 3 चौके जड़े। इसके बाद 5वें ओवर में विहान मलहोत्रा को तीन चौके और एक छक्का जड़ा।

जन्मदिन: 27 के हो गए शुभमन गिल

अंडर-19 विश्व कप से बनाई पहचान, कम उम्र में मिली कप्तानी, बने भारतीय क्रिकेट का सितारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के प्रमुख बल्लेबाजों में शुमार शुभमन गिल शानदार तकनीक, बेहतरीन टाइमिंग और धैर्य उनकी बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई यादगार पारियां खेली हैं। गिल की निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण सितारा बनाया है। 8 सितंबर 1999 को फाजिल्का (पंजाब) में जन्मे गिल को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह अक्सर अपनी उम्र से बड़े खिलाड़ियों के साथ खेला करते थे।

कैसा रहा गिल का शुरुआती सफर?

साल 2014 में उन्होंने पंजाब के अंतर-जिला अंडर-16 टूर्नामेंट में 351 रन बनाए और निर्मल सिंह के साथ 587 रनों की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी के दौरान अंडर-16 स्टेट डेब्यू में नाबाद दोहरा शतक लगाया। गिल ने साल 2017 के आखिर में रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू करते हुए पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया। अगले मैच में उनके बल्ले से 129 रन निकले। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अगले ही साल उन्हें अंडर-19 विश्व कप 2018 के लिए टीम का उपकप्तान चुना गया। अंडर-19 विश्व कप 2018 में गिल छह मुकाबलों की पांच पारियों में 124 की औसत के साथ 372 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों में सात चौकों के साथ 102 रन की नाबाद पारी खेली थी।

दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा

दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल टीम को तेज शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर हुए। उन्हें आईपीएल 2018 के लिए नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.8 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। पहले ही सीजन गिल ने 13 मुकाबलों में 33.83 की औसत के साथ 203 रन बनाए। गिल को साल 2019 में वनडे डेब्यू का मौका मिला, जिसके बाद दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 45 और 35 रन बनाए। इसी सीरीज के दौरान उन्होंने सिडनी में अर्धशतक लगाने के बाद गाबा में भारत की रोमांचक जीत में 91 रन की शानदार पारी खेली थी। महज 23 साल की उम्र में गिल वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने, जिन्होंने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 149 गेंदों में 208 रन की पारी खेली।

पहले टेस्ट और फिर वनडे टीम की मिली कमान

आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस ने इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा। हार्दिक पांड्या के जाने के बाद गिल को फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त किया गया। इसके बाद रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से रिटायर होने के बाद उन्हें साल 2025 के इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का कप्तान नियुक्त किया गया। पिछले साल अक्तूबर में ही उन्हें टीम इंडिया की वनडे कमान भी सौंपी गई। शुभमन गिल भारत के लिए 43 टेस्ट मुकाबलों में 43.47 की औसत के साथ 3,043 रन बना चुके हैं। इसमें 11 शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 67 वनडे मुकाबलों में उन्होंने नौ शतक और 20 अर्धशतक के साथ 3,379 रन बना चुके हैं। वहीं, 36 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 869 रन निकले हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

अगले साल होगी बड़ी परीक्षा

गिल के सामने 2027 में बड़ी परीक्षा है। अगले साल वनडे विश्व कप का आयोजन होना है। भारत पिछली बार रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब अपने नाम करने से चूक गया था। भारत अगर गिल की कप्तानी में उतरता है और खिताब अपने नाम करने में सफल रहता है तो गिल तीसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे जिन्होंने भारत को वनडे विश्व कप का खिताब दिलाया है। अब तक सिर्फ कपिल देव (1983) और महेंद्र सिंह धोनी (2011) ही ऐसा कर चुके हैं।

एशियन गेम्स से पहले अपनी तैयारी को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं सात्विक-चिराग

'कोई अतिरिक्त दबाव नहीं'

नई दिल्ली। चीन मास्टर्स जीतने के बाद, भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी एशियन गेम्स से पहले मिले 10 दिनों के समय का पूरा फायदा उठाने पर ध्यान दे रहे हैं। मौजूदा चैंपियन होने के नाते इस बड़े टूर्नामेंट में उतरने के बावजूद, इस जोड़ी का कहना है कि उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। वर्ल्ड नंबर 5 भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन मास्टर्स के फाइनल में चीन के हे और रेन को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह जीत सात्विक और चिराग के लिए इसलिए भी खास थी, क्योंकि वे 2023 और 2025 में चीन मास्टर्स में दूसरे स्थान पर रहे थे और 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। वे 2005 में शुरू हुए इस इवेंट को जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी बन गए। चाइना मास्टर्स में यह जीत उनके करियर का 10वां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था और 2026 का तीसरा वर्ल्ड टूर फाइनल था। वे मई में थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे थे और उसी महीने के आखिर में सिंगापुर ओपन का टाइटल जीता था।

चाइना मास्टर्स में उनके सफर ने उन्हें उन कुछ कमियों को दूर करने में भी मदद की जो पिछले महीने नई दिल्ली में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के दौरान सामने आई थीं। अपनी जीत पर बात करते हुए, इस जोड़ी ने कहा कि इस खिताब ने उन्हें एशियाई खेलों से पहले सही समय पर आत्मविश्वास दिया है।

चिराग ने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद हम काफी बेहतर हुए हैं। हमें समय मिला और हमने खुद को उसके हिसाब से ढाला। वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमारे लिए मुश्किल थी, क्योंकि हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। एक मैच, और फिर हमने तुरंत क्वार्टरफाइनल खेला। इसलिए मुझे लगता है कि वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद, हमारा शरीर एक तरह से स्थिर हो गया, उसकी आदत हो गई, और फिर हम बेहतर हुए। फिर चाइना मास्टर्स में हमें यह भी निश्चित तौर पर पता नहीं था कि पूरे हफ्ते हम शारीरिक रूप से कितना झेल पाएंगे। इसलिए हम एक बार में एक ही मैच पर ध्यान दे रहे थे। कुल मिलाकर, पूरे हफ्ते सब कुछ काफी सहज रहा। तो आगे के लिए यह एक अच्छा संकेत है।'

चिराग ने आगे कहा कि चीन में कई मैच खेलने के अनुभव से उन्हें अपनी शारीरिक स्थिति को लेकर और अधिक आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमें कोर्ट पर ज्यादा समय नहीं मिला। खासकर चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जैसे मुश्किल मैच से पहले। हम लगभग तीन महीनों बाद कोई टूर्नामेंट खेल रहे थे। जो पहला टूर्नामेंट हमने खेला, उसमें हमारा खेल बहुत अच्छा नहीं था। जाहिर है, मुझे लगता है कि हमारा शरीर भी उस हिसाब से ढल नहीं पाया था, जबकि यहां चाइना ओपन में हमने पांच मैच खेले, और पहले राउंड को छोड़कर बाकी सभी में हमने तीन-तीन गेम खेले। फिर भी, वर्ल्ड चैंपियनशिप के मुकाबले अब हमारा शरीर कहीं बेहतर महसूस कर रहा है। चाइना मास्टर्स से पहले हमें प्रैक्टिस के लिए एक हफ्ता और मिला। इससे हमें चाइना मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने में वाकई मदद मिली।'

वर्ल्ड चैंपियनशिप से मिली सबसे बड़ी सीख 'अटैक करते समय धैर्य रखना और अपने डिफेंस पर भरोसा करना' थी। उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप से हमने जो मुख्य बातें सीखीं, उनमें से एक है अटैक करते समय धैर्य रखना और अपने डिफेंस पर भरोसा करना।

नहीं खेले जा सकेंगे विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले

डीवाई पाटिल स्टेडियम में मरम्मत का काम जारी

नई दिल्ली। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में मरम्मत का काम जारी है, जिसकी वजह से यह स्टेडियम विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2027 के मुकाबलों की मेजबानी नहीं कर सकेगा। यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी के बीच भारत में खेला जाएगा। पिछले हफ्ते, इंटरनेशनल क्रिकेट (आईसीसी) ने छह टीमों वाले इस टी20 टूर्नामेंट के लिए मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को वेन्यू के तौर पर चुना। इससे पहले, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के कामकाज में सरकारी दखल के कारण टूर्नामेंट को श्रीलंका से हटा दिया गया था, लेकिन डीवाई पाटिल स्टेडियम का नाम लिस्ट में न होना हैरानी की बात है, क्योंकि इसे देश में महिला क्रिकेट का एक अहम केंद्र माना जाता है। डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी कैंपस में मौजूद यह निजी स्टेडियम विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल का वेन्यू था, जहां भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर अपनी पहली सीनियर महिला आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। यह स्टेडियम विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबलों के लिए भी एक मुख्य वेन्यू है। कई सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया है कि दर्शकों के स्टैंड में बड़े पैमाने पर मरम्मत का काम जारी है, जिसकी वजह से यह स्टेडियम कुछ समय तक इस्तेमाल के लायक नहीं रहेगा।

हालात की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया, 'मैच इसी वेन्यू पर होने थे, लेकिन वहां मरम्मत का काम शुरू हो गया है, इसलिए वेन्यू के मालिकों ने खुद ही कहा कि मैच किसी दूसरे स्टेडियम में करवा लिए जाएं। मरम्मत का काम पूरा होने में

लगभग 6-8 महीने लगेंगे।' अधिकारी ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान मैच करवाना सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स की वजह से मुमकिन नहीं था। उन्होंने कहा, 'हमारी जानकारी के मुताबिक, मरम्मत का काम स्टैंड वाले हिस्से में हो रहा है, जहां वे दर्शकों के लिए वॉशरूम बना रहे हैं। अभी वॉशरूम सिर्फ ग्राउंड फ्लोर पर हैं, और लेवल 1, 2 और 3 पर कोई वॉशरूम नहीं है। साल 2006 में यह ठीक था, लेकिन अब यह जरूरी है क्योंकि भविष्य में सभी तरह के खेलों के लिए इस वेन्यू की बहुत मांग है। इसके अलावा, जब कॉन्ट्रैक्टर मरम्मत का वह हिस्सा कर रहे होते हैं, तो उन्हें सामने और साइड से भी पहुंच की जरूरत होती है।'

अधिकारी ने कहा, 'यह लगातार चलने वाला काम है, इसलिए निर्माण कार्य और बड़े-बड़े मैच एक साथ नहीं हो सकते। असल में, क्रिकेट के अलावा भी, देशभर से बहुत से लोग स्टेडियम को किसी न किसी खेल आयोजन के लिए इस्तेमाल करने की मांग करते रहते हैं, और सभी को यही बात बताई जाती है। हम बस यही उम्मीद कर रहे हैं कि मरम्मत का सारा काम ठीक से हो जाए, ताकि डीवाई पाटिल स्टेडियम में जल्द ही फिर से मैच शुरू हो सकें।'

इस बात की पुष्टि करते हुए, वेन्यू चुनने की प्रक्रिया से जुड़े एक और अधिकारी ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हम बता सकते हैं कि डीवाई पाटिल स्टेडियम में नवीनीकरण का काम चल रहा है; इसलिए इसे पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वेन्यू के तौर पर पेश नहीं किया गया।'

जब उनसे पूछा गया कि जिन बड़े शहरों में पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट मैच हुए हैं, वे विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए क्यों उपलब्ध नहीं थे, तो अधिकारी ने कहा, 'जिन टियर-1 सेंटर्स का अक्सर लोग जिक्र करते हैं, वे साल के उस समय किसी दूसरे बड़े टूर्नामेंट की तैयारियों के कारण उपलब्ध नहीं थे।'

संकीर्ण विचारधारा रखोगे तो डायवर्सिटी नकारात्मक लगेगी

जानी-मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है। श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, 'मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।'

हमें अपनी कहानियां ईमानदारी से कहनी होंगी

पिता कमल हासन की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाने वाली श्रुति साउथ के प्रभास, रजनीकांत, पवन कल्याण, विजय सरीखे सुपर स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हमने जब उनसे जानना चाहा कि आज दक्षिण के कलाकारों को पैन इंडिया स्टार कहा जा रहा है, बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री की दूरी को पाटने की कोशिश लगातार जारी हैं, मगर क्या उन्हें लगता है कि वो अंतर अभी भी है, तो इस पर वे कहती हैं, 'असल में हमारे देश में अनगिनत अलग-अलग कल्चर और भाषाएं हैं। श्रुति हासन ने कहा, 'हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी। यह सोच और व्यक्ति दर व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। इससे हमें नयी कहानियां मिलती हैं, नया नजरिया मिलता है। हर प्रदेश में एक विशिष्टता है।'

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

आज श्रुति का शुमार दक्षिण की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शुमार है, मगर अपने करियर में उन्होंने भी मुश्किल वक्त देखा। वे कहती हैं, 'मैंने जब लक से अपने करियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिव्ली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।'

'दायरा' के मलयालम वर्जन में करीना कपूर खान को अपनी आवाज़ देंगी पार्वती थिरुवोथु!

मुंबई पार्वती थिरुवोथु अब एक्टिंग के बाद अपनी आवाज का जादू भी दिखाने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस 'दायरा' के मलयालम वर्जन में करीना कपूर खान के किरदार 'अजूनी' को अपनी आवाज देंगी। यह कोलैबोरेशन पार्वती के लिए खास है, क्योंकि इसी के साथ वह वॉइस एक्टिंग की दुनिया में अपना पहला कदम रखने जा रही हैं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित 'दायरा' को नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने मिलकर लिखा है।

फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल्स में हैं और 'दायरा' 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। पार्वती के लिए यह मौका इसलिए भी खास है क्योंकि लंबे समय से वह वॉइस एक्टिंग करने का सपना देख रही थीं। अपने करियर में हमेशा लेयर्ड और चैलेंजिंग किरदारों को चुनने वाली पार्वती अब अपनी खास आवाज और परफॉर्मेंस की संवेदनशीलता के साथ 'अजूनी' को एक नया रंग देंगी। साथ ही, वह करीना कपूर खान की ओरिजिनल परफॉर्मेंस की आत्मा को भी बरकरार रखेंगी। अपने इस एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए पार्वती थिरुवोथु ने कहा, ''दायरा' पर काम करना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। खासकर इसलिए क्योंकि मैं काफी लंबे समय से वॉइस एक्टिंग करना चाहती थी, इसके सपने देखती थी और हमेशा मुझे लगता था कि वॉइस एक्टिंग के बेहतरीन मौके शायद एनिमेशन फिल्मों या इसी तरह के प्रोजेक्ट्स में मिलेंगे। लेकिन मेरे लिए यह बेहद खूबसूरत सरप्राइज था कि मेरी इस जर्नी की शुरुआत करीना के लिए 'अजूनी' का किरदार निभाने से हो रही है। और इसमें सबसे खास बात यह है कि यह मेघना गुलजार की फिल्म है और ऐसी फिल्म है जो देखने के बाद लंबे समय तक हमारे साथ रहती है। एक किरदार के तौर पर भी यह बेहद इम्पैक्टफुल काम है।'

'दायरा' का मलयालम वर्जन खास तौर पर केरल के दर्शकों तक फिल्म की कहानी को उनकी अपनी भाषा में पहुंचाने के लिए तैयार किया जा रहा है। कोशिश यही है कि ओरिजिनल फिल्म की भावनात्मक गहराई और कहानी का असर जस का तस बना रहे। ऐसे में पार्वती की आवाज 'अजूनी' को एक ऑथेंटिक मलयालम टच देगी और केरल के दर्शकों के लिए इस किरदार से जुड़ना और भी आसान हो जाएगा, जबकि करीना की परफॉर्मेंस की बारीकियां भी बरकरार रहेंगी।

अली गोनी के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है। अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'। जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, 'आई एम इनफ' (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनाए जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 9' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली 'बिग बॉस 14' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।

काम और परिवार के बीच संतुलन पर बोले अर्जुन बिजलानी

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ-साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। आईएएनएस से उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की। अर्जुन बिजलानी ने आईएएनएस से बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए।

आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।''

उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है।'

अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कई ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के कारण मैं परिवार के साथ महत्वपूर्ण मौकों पर उनके पास नहीं रह पाया। लगातार शूटिंग और काम की वजह से ऐसा होना मेरे लिए आसान नहीं रहा। हालांकि, वह अपने परिवार को लेकर काफी खुशकिस्मत महसूस करते हैं, क्योंकि उनके मुताबिक परिवार उनके काम की मजबूरियों को समझता है और हर समय उनका साथ देता है। अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कभी-कभी ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते मुझे कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर भी परिवार से दूर रहना पड़ा। हालांकि, मैं इस बात को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा परिवार मेरे काम को समझता है और हमेशा मेरा साथ देता है।

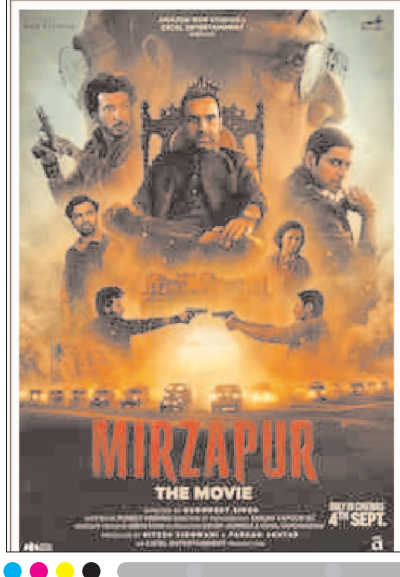

मिर्जापुर द मूवी: सीरीज से कितनी अलग है फिल्म?

किरदारों में हुआ बदलाव; इन नए कलाकार की भी हुई एंट्री

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जहां फिल्म में कुछ पुराने किरदारों की वापसी हुई है, वहीं कुछ ऐसे किरदार हैं, जो इस फिल्म में नए इंट्रोड्यूस हुए हैं।

इन किरदारों में कोई बदलाव नहीं

कालीन भैया- सीरीज की तरह मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी ही कालीन भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

गुड्डू भैया- अली फजल एक बार फिर फिल्म के जरिए गुड्डू भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

मुन्ना भैया- 'मिर्जापुर द मूवी' में दिव्येंदु की वापसी हो रही है। इन्होंने सीरीज में भी काफी भौकाल मचाया था। इनकी एंट्री को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है।

डिपी, स्वीटी और गोलू- फिल्म में डिपी का किरदार हर्षिता गौर, स्वीटी का किरदार श्रिया पिलगांवकर और गोलू के किरदार में फिर से श्वेता त्रिपाठी नजर आती हैं।

बबलू पंडित- फिल्म में सबसे बड़ा बदलाव बबलू पंडित के किरदार में हुआ है। सीरीज में ये किरदार विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन फिल्म में जितेंद्र कुमार इस रोल को निभाते नजर आएंगे।

इन नए किरदारों की हुई एंट्री

बब्बन बबुआ- फिल्म में रवि किशन की एंट्री हुई है, जो बब्बन बबुआ के रोल में नजर आते हैं।

भैरव सिंह कर्णावत- इस नए किरदार में आपको सुशांत सिंह नजर आएंगे।

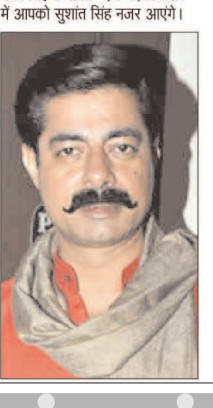

मुमताज बीबी - सोनल चौहान भी इस फिल्म में मुमताज बीबी के किरदार में नजर आएंगी, जो सीरीज में नहीं थीं।

बिरजू लोहार - बिरजू लोहार के रोल के साथ मोहित मलिक भी इस फिल्म के अहम किरदारों में नजर आएंगे।

ये किरदार हैं मिसिंग

ललित - सीरीज में मुन्ना भैया के साथ रहने वाला ललित इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका दिसंबर 2021 में निधन हो गया था।

एसपी परशुराम- सीरीज में स्वीटी और गोलू के पापा का किरदार निभाने वाले शहनवाज प्रधान भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

त्यागी परिवार- चूंकि फिल्म पहले सीजन के कुछ हिस्सों पर बनी है, इस वजह से इसमें त्यागी परिवार का कोई सीन नहीं है।

माधुरी यादव- सीरीज में पॉलिटिशियन और मुन्ना भैया की पत्नी का किरदार निभाने वाली ईशा तलवार भी इस फिल्म में नहीं हैं।

भारतीय भाषा परिवार की संकल्पना और एकीकृत राष्ट्र विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय भाषाएँ एकीकृत सांस्कृतिक चिंतन-प्रक्रिया की पालना और संवाहक रही है

भारतीय भाषा परिवार भाषाई औपनिवेशिकता से मुक्ति का आधार है : प्रो. हरीश अरोड़ा

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली।

अंग्रेजों ने भारत की एकता को खिखंडित करने के लिए वर्नाक्युलर भाषाओं का विचार रखा जिसने भरतिए भाषाओं को हीन और निचले स्तर की भाषाओं के रूप में स्थापित किया। दुर्भाग्यवश हम भारतीयों ने इसे स्वीकार कर लिया। एकीकृत राष्ट्र की संकल्पना के लिए आवश्यक है कि हम भारतीय भाषाओं को विभाजित परिवारों की भाषा से मुक्ति देते हुए भारतीय भाषा परिवार की संकल्पना को चरितार्थ करें। यह परिवार ही वर्षों से चली या रही औपनिवेशिकता से मुक्ति का आधार है।

ये विचार दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) में हिन्दी के प्रोफेसर डॉ. हरीश अरोड़ा ने कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्राध्यापक संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सप्ताह हिन्दी पर्व-2026 के अवसर पर आभासी पटल के माध्यम से रखे। इस कार्यक्रम का पहला आयोजन विशम कॉटन विमेंस क्रिश्चियन कॉलेज, बेंगलुरू की ओर से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रो. अरोड़ा ने भारतीय भाषा परिवार की संकल्पना और एकीकृत राष्ट्र विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय भाषाएँ एकीकृत सांस्कृतिक चिंतन-प्रक्रिया की पालना और संवाहक रही हैं। भारतीय भाषाएँ अपने अस्तित्व की

पूरी यात्रा में परस्पर सहअस्तित्व में रही हैं और सामंजस्यपूर्ण रूप से साथ-साथ विकसित हुई हैं। उनका साहित्य शब्दावली में एक-दूसरे का पूरक है और विषयवस्तु तथा प्रेरणा के स्रोत में एक-दूसरे को समृद्ध करता है। उन्होंने यह भी कहा कि जहाँ अन्य देशों में भाषा को केवल संप्रेषण का माध्यम माना जाता है वहीं भारत में उसे दैवीय माना गया है। सभी भारतीय भाषाओं को वाक के रूप में पूज्य माना जाता है और वाग्देवी या सरस्वती के रूप में आराधित किया जाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत में द्वविविधता में एकताद्ध की संकल्पना को माना जाता रहा है जबकि भारत में एकता विविधता से कहीं अधिक प्रबल आधार है। उनका मानना था कि विविधता सौंदर्य है, एकता शक्ति है। विविधता का सौंदर्य केवल एकता की शक्ति से ही टिक सकता है। उन्होंने अपने विचार को आरंभ करते हुए बताया कि भारत की गौरवशाली परंपरा से भारतीय समाज को हमेशा से दूर रखा गया है इसी कारण से भारतीय समाज की चेतना पराधीन होती गई। अंग्रेजों ने लोगों को बाँटने, देश को विभाजित करने, समाज को विभाजित करने और एक समुदाय को दूसरे के विरुद्ध भाषाई वैमनस्य के लिए उकसाने का कार्य किया गया। उन्होंने भारत की भाषाओं को भारोपीय, द्रविड, चीनी-तिब्बती और ऑस्ट्रो-एशियाटिक परिवारों में विभाजित कर दिया। इसीलिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस औपनिवेशिकता से मुक्ति के लिए भारतबोध के विचार को स्वीकार किया।

कार्यक्रम के आरम्भ में स्वागत वक्तव्य देते हुए डॉ. विनय कुमार ने कहा यादव ने कहा कि आज का विषय अत्यंत ही प्रासंगिक और नवीन है। इस विचार से निश्चित रूप से भारतीय भाषाओं में एकता के साथ भारत भी एकीकृत राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। कार्यक्रम में कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्राध्यापक संघ के संस्थापक डॉ. एस. मंजुनाथ ने संघ की कार्य प्रणाली और विभिन्न योजनाओं से परिचित कराया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सुनीला कुमारी सहित देश भर से अनेक शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी कार्यक्रम में जुड़े।

शतरंज खिलाड़ियों के बीच होगा शह और मात का मुकाबला आज से

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ व खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशन में अग्रसेन जन कल्याण समिति एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा दिनांक 10 से 13 सितम्बर तक भिलाई के सेक्टर 6 स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट सिनियर फीडे रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप का भव्य आयोजन किया गया है। शुभारंभ गुरुवार 10 सितम्बर को प्रातः 10 बजे अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के महा सचिव अनिल अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी, साहित्यकार एवं लेखक कैलाश जैन बरमेचा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी राजेश नथवानी बंटी भैया एवं अग्रसेन महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती उमा अग्रवाल उपस्थित रहेंगे।

अतिक्रमण और नो-पार्किंग पर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, मालवीय रोड में तीसरे दिन चला अभियान

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश और DCP ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस की अतिक्रमण और नो-पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।

नो-पार्किंग में खड़े 3 वाहनों पर 300-300 रुपए जुर्माना लगाया गया

मालवीय रोड में अउढ कमलजीत पाटले के नेतृत्व में लगातार तीसरे दिन अभियान चला। दुकानों के बाहर सामान निकालकर व्यवसाय करने वालों को समझाइश देकर सामान अंदर कराया गया, ठेले हटाए गए। नो-पार्किंग में खड़े 3 वाहनों पर 300-300 रुपए जुर्माना लगाया गया।

ACP रमेश थेरेवार के नेतृत्व में राजबंधा मैदान, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, प्रेस कॉम्प्लेक्स के आसपास नगर निगम की टीम प्रहरी के साथ कार्रवाई की गई। 17 कारों पर ई-चालान, 6 बाइक जब्त की गईं। शारदा चौक के हांडीपारा में लावारिस और कंडम वाहन हटाए गए।

पुलिस ने नागरिकों से फुटपाथ पर अतिक्रमण न करने और निर्धारित पार्किंग में ही वाहन खड़े करने की

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 4 करोड़ की ठगी, आत्महत्या के लिए उकसाने वाला दूसरा आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव

कोतवाली पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग और तंत्र-मंत्र से पैसा दोगुना करने के नाम पर 4 करोड़ की धोखाधड़ी कर युवक को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। SP अंकिता शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत आरोपी योगेन्द्र कुमार साहू (37) निवासी कुतुलबोड़ भांठागांव को आज गिरफ्तार किया गया।

मामला अक्टूबर 2025 का है, मृतक कोमल साहू ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड नोट, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी मो. अजीज खान ने शेयर मार्केट में निवेश का लालच देकर करीब 4 करोड़ ठगे थे। कर्ज के दबाव में मृतक ने आत्मघाती कदम उठाया। मुख्य आरोपी अजीज खान को इंदौर से 03 अप्रैल को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण में धारा 318(4), 108, 3(5) BNS के तहत जांच जारी है। पुलिस ने लोगों से शेयर मार्केट में पैसा दोगुना करने के झांसे में न आने की अपील की है।

बिहार-झारखंड ढाबे पर रेड संचालक को किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव

SP अंकिता शर्मा के निर्देश पर नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में तुमड़ीबोड़ चौकी पुलिस ने बिहार-झारखंड ढाबे पर रेड कर संचालक को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर नाथूनवागांव स्थित हाईवे किनारे ढाबे पर घेराबंदी की गई। आरोपी सवर्जीत कुमार (39) निवासी पटना, बिहार के कब्जे से 13 पौवा गोवा स्पेशल अंग्रेजी व्हिस्की और 17 पौवा देशी शोले ब्रांड शराब कुल 5.4 बल्क लीटर जब्त की गई। बिक्री के 300 रुपए भी मिले, कुल कीमत 3,230 रुपए। आरोपी के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले। धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर जेल भेजा गया। कार्रवाई में सउनि चुन्नीलाल साहू और स्टाफ की भूमिका रही।

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर सख्ती, 8 महीने में 1.18 लाख चालानों पर कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

यातायात पुलिस दुर्ग ने 2026 के 8 महीनों में 1,18,627 वाहन चालकों पर कार्रवाई की है। यह आंकड़ा 2024 के पूरे साल के 60,215 और 2025 के 1,17,936 से अधिक है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक/SSP के निर्देश पर चले अभियान में सबसे ज्यादा कार्रवाई बिना हेलमेट के 67,869 चालकों पर हुई। नो पार्किंग में 9,640, बिना सीट बेल्ट 5,783 और तीन सवारी पर 5,634 चालान किए गए।

पुलिस ने बताया कि कार्रवाई का मकसद सिर्फ चालान नहीं, बल्कि सड़क हादसों में कमी लाना और जागरूकता बढ़ाना है। ई-चालान, मोबाइल कैमरा और विशेष चेकिंग अभियान लगातार जारी है। ट्रैफिक पुलिस ने हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा पालन और शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की है।

कलेक्टर ने ली एकलव्य विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कक्षावार रिजल्ट मे सुधार एवं व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के कड़े निर्देश

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सोनाखान के शाला प्रबंधन समिति की बैठक बुधवार को कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। कलेक्टर शर्मा ने विद्यालय की विगत वर्ष की परीक्षा परिणाम, स्कूल की शिक्षण व्यवस्था एवं छात्रावास मे व्यवस्थाओं को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए रिजल्ट मे सुधार और व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश प्राचार्य को दिये। कलेक्टर श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिये कि स्कूल की सम्पूर्ण प्रबंधन की जिमेदारी प्राचार्य की है। शिक्षको मे आपसी समन्वय से लेकर छात्रों की पढ़ाई व आवासीय सुविधाएं मुहैया कराने मे कोई कोताही नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा प्रदान करने केंद्र सरकार द्वारा संचालित एकलव्य विद्यालय मे पर्याप्त बजट आवंटित किया जाता है। पर्याप्त शिक्षक की व्यवस्था होने के बावजूद रिजल्ट खराब होना और छात्रों को सुविधाएं नहीं मिलना विद्यालय की कुप्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि सभी कक्षाओं मे रिक्त सीटों को तत्काल भरने की कार्यवाही किया जाए। अध्यापन के दौरान कोई शिक्षक मोबाइल लेकर कक्षा मे न जाए, इसकी कड़ी मॉनिटरिंग करें। जिन संविदा शिक्षकों के द्वारा अध्यापन मे रूचि नहीं ली जा रही है उन्हें हटाकर नये शिक्षक की व्यवस्था करें। इसके साथ ही हर माह पेरेंट्स-मीटिंग आयोजित करने, छात्रों को पुस्तक व ड्रेस वितरण के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्कूल परिसर मे निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए कहा कि गुणवत्ता मे किसी तरह की समझौता न हो। उन्होंने विद्यालय के निरीक्षण हेतु अपर कलेक्टर, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं पीडब्लूडी के अधिकारियो की टीम को निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित अभिभावको की समस्याएं भी सुनी और शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया।

बीआईटी दुर्ग में महिला सशक्तिकरण और स्टार्टअप अभिनंदन कार्यक्रम, राज्यपाल रमेन डेका हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

CSVTU भिलाई द्वारा BIT दुर्ग में महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

24 स्टार्टअप्स को 50 लाख की इग्निशन ग्रांट वितरित की

राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

राज्यपाल ने 72 महिला स्व-सहायता समूहों को मिलेट हेल्थ कार्ट और 24 स्टार्टअप्स को 50 लाख की इग्निशन ग्रांट वितरित की। उन्होंने कहा - नारी शक्ति और युवा नवाचार से नया छत्तीसगढ़ बनेगा। मिलेट 'श्री अन्न' अब पोषण के साथ आय का जरिया भी है। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल,

विधायक ललित चंद्राकर, रिकेश सेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, महापौर अल्का बाघमार, कुलपति डॉ. अरुण अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में SHG महिलाएं और युवा मौजूद

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100